दैनिक करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शनिवार 27 सितंबर-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 278 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

कल पीएम मोदी का ओडिशा दौराः अमृत भारत से लेकर स्वदेशी 4जी स्टैक तक, देंगे ये बड़ी सौगातें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी शनिवार को ओडिशा के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे ओडिशा को बहुत सारी सौगात देने वाले हैं। इसके तहत सबसे पहले पीएम मोदी अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे, फिर 1700 करोड़ रुपये के रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन और बीएसएनएल के स्वदेशी 4ऋस्टैक का शुभारंभ करेंगे। इसके साथ ही झारसुगुड़ा से पीएम मोदी आठ आईआईटी के विस्तार की घोषणा भी करेंगे और फिर बेरहामपुर के एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज और संबलपुर के वीआईएमएसएआर अस्पताल को सुपर-स्पेशलिटी दर्जा देंगे। यह पीएम मोदी का पिछले 15 महीनों में ओडिशा का छठा दौरा होगा।

पीएम मोदी करेंगे 'नमो युवा समागम' को संबोधित

इस दौरान पीएम मोदी झारसुगुड़ा के एमलिपाली ग्राउंड में ह्यनमो युवा समागमह्न को संबोधित करेंगे। वे सुबह 11:25 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे और लगभग 12:45 बजे ओडिशा से रवाना होंगे। इस मौके पर वे गुजरात के उधना से बेरहामपुर तक चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हरी झंडी दिखाएंगे। साथ ही संबलपुर में 273 करोड़ रुपये की लागत से बने पांच किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर का उद्घाटन करेंगे।

औद्योगिक विकास के लिए पीएम मोदी की सौगात

इसके साथ ही ओडिशा के दक्षिणी हिस्से में पीएम मोदी 34 किमी लंबे कोरापुट-बैगुड़ा रेलखंड और 82 किमी लंबे मनाबड़-कोरापुट-गोरापुर सेक्शन का डबलिंग कार्य भी समर्पित करेंगे, जिससे यहां के औद्योगिक विकास और खनिज परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। बीएसएनएल के स्वदेशी 4ऋनेटवर्क के लॉन्च से भारत टेलिकॉम उपकरण बनाने वाले देशों की सूची में शामिल हो जाएगा। यह क्लाउड बेस्ड और भविष्य के 5ऋतकनीक के लिए तैयार नेटवर्क है।

पीएम मोदी के इस दौरे को लेकर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी कल ओडिशा आ रहे हैं ताकि समृद्ध ओडिशा और विकसित भारत के सपने को आगे बढ़ाया जा सके। आइए हम सब मिलकर इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल हों और ओडिशा के विकास की राह को मजबूत करें।

जीएसटी अभियान पर होर्डिंग्स लगाने में भाजपा विधायकों की रफ्तार सुस्त

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा चाहे तिरंगा अभियान चलाए या वो पौधे लगाए, लेकिन उसकी मॉनिटरिंग संगठन पर जरूर होती है। भाजपा ने जीएसटी की दरों में कमी की और अब संगठन स्तर पर ये प्लान है कि भाजपा के जनप्रतिनिधि जनता के बीच जाएं और जनता को ये बात एक उपलब्धि के तौर समझाएं। जनता को समझाने के लिये संगठन स्तर पर यह भी आदेश हुए कि सभी विधायकों को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में इस बात के होर्डिंग लगवाने हैं, होर्डिंग के जरिये संदेश दिया जाना है और भाजपा इसे अभियान के रूप में चला रही है।

भाजपा ने जनप्रतिनिधियों को ये टारगेट भी दिया है कि वो अपने-अपने क्षेत्र में जनसंपर्क करेंगे, लोगों को ये बताएंगे कि जीएसटी दरों में कमी से जनता को किन-किन वस्तुओं पर राहत मिली है। जीएसटी विभाग के अधिकारी पहले से ही बाजारों में जा रहे हैं और व्यापारियों को बता रहे हैं कि जीएसटी की दरों में बदलाव हो गया है। इन सबके बीच खबर लखनऊ से है और वो ये है कि लखनऊ वाले हाईकमान ने इस बात को नोटिस किया कि बाकी सब तो ठीक है लेकिन विधायक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में जीएसटी वाले होर्डिंग नहीं लगवा रहे हैं।

आखिर विधायक इस होर्डिंग वाले मामले में रुचि क्यों नहीं ले रहे हें। इस बात पर प्रदेश हाईकमान ने गंभीरतापूर्वक विचार किया। रिपोर्ट ये निकलकर आई है कि विधानसभाओं के विधायक जीएसटी अभियान को लेकर होर्डिंग लगाने में रुचि नहीं ले रहे हैं। अब संगठन ने भी अभियान को लेकर विधायकों को फरमान जारी कर दिया है। पार्टी संगठन स्तर पर आदेश जारी हुए हैं कि विधायक अपने-अपने क्षेत्र में होर्डिंग लगवाएंगे और केवल होर्डिंग लगवाने से ही काम नहीं चलेगा। पार्टी स्तर पर ये भी आदेश जारी हुए हैं कि सभी विधायकों को अपने-अपने लगाए गए होर्डिंग के पास खड़े होकर जियो टैग लोकेशन के साथ फोटो हाईकमान को भेजना है।

बताते हैं कि गाजियाबाद में अभी तक जीएसटी को लेकर किसी भी विधायक का होर्डिंग दिखाई नहीं दिया है। अब जब हाईकमान का जियो टैग वाला स्वैग आ गया है तो अब ये उम्मीद है कि होर्डिंग भी लगेंगे और जियो टैग वाले फोटों भी सेंड होंगे।

संगठन वाली बैठक में दिखाई दिये क्षेत्रीय अध्यक्ष के कड़े तेवर

कहा - जो ना करें पार्टी को सपोर्ट उसे कतई नहीं करेंगे आप लोग फेवर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सरकार बनने के बाद से ही एक सीन संगठन बनाम जनप्रतिनिधि वाला सीन अक्सर दिखाई देता है। हालांकि सैद्धांतिक रूप से ये कहा जाता है कि संगठन सर्वोपरि है। लेकिन कई बार प्रैक्टिकल रूप से ये दिखाई दिया है कि कुछ मुद्दों पर संगठन वालों की बात को जनप्रतिनिधि तवज्जों नहीं देते हैं और कई बार संगठन वाले भी अपने नियमों को लेकर अडिग रहते हैं। एक अनकही से दूरी रहती है और दूरियों का एहसास अब संगठन की बैठकों में होने लगा है।

राजनगर एक्सटेंशन वाली बैठक में कार्यकताओं के व्यू जब क्षेत्रीय अध्यक्ष ने सुने तो उन्होंने भी अपने तेवर दिखाए। गोल्डन व्यू में भाजपा की आत्मनिर्भर भारत हर घर स्वदेशी की बैठक थी। ये एक तरह से भाजपा कार्यकताओं की कार्यशाला थी और इसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिशौदिया मौजूद थे।

बैठक में कार्यकर्ता अपनी बात रख रहे थे और क्षेत्रीय अध्यक्ष कार्यकताओं की बात सुन रहे थे और उन्हें निर्देश दे रहे थे। इसी बीच बैठक में एक चर्चा सामान्य रूप से चली कि जनप्रतिनिधि संगठन से तो ये उम्मीद करते हैं कि उनके कार्यक्रमों में कार्यकर्ता पहुंचे और संगठन भी अपनी भूमिका निभाए, लेकिन जब कभी संगठन कोई कार्यक्रम करता है तो उसमें जनप्रतिनिधि नहीं आते। चर्चा ये थी कि जब पार्टी के आयाम होते हैं तो इन कार्यक्रमों में भाजपा के विधायक और सांसदों के दर्शन नहीं होते हैं, लेकिन अगर पीएम या सीएम आए हों तो जनप्रतिनिधियों से लेकर उनके भी प्रतिनिधियों को पास जारी हो जाते हैं। जो कभी बैठकों में नहीं आते वो हैलीपेड पर फोटो वाले फ्रेम में आ जाते हैं।

मुद्दा यही था और सूत्र बताते हैं कि क्षेत्रीय अध्यक्ष के सामने जब ये मामला पहुंचा तो वो संगठन वाले मोड में दिखाई दिये। उन्होंने जो कहा वो एक तरह से संगठन सर्वोपरि और कार्यकर्ता देवतुल्य के मूलभाव से प्रेरित था। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने एक तरह से संदेश दिया कि जो भी जनप्रतिनिधि या अन्य पदाधिारी शहर या जिले में होते हुए भी पार्टी के कार्यक्रमों में नहीं आते हैं उन्हें सूचिबद्ध किया जाए। यहां पर उन्होंने तीन बार का फॉमूर्ला बताया और कहा कि एक बार कहकर देखो, दसरी बार भी कहकर देखे और तीसरी बार भी उनसे आयाम में आने का अनुरोध करो और कार्यक्रमों की सूचना उन्हें दो।

यह भी जानकारी जुटाओं की अगर कोई पदाधिकारी या जनप्रतिनिधि नहीं आ रहा है तो उसकी वजह क्या है, उनसे बात करो और यदि वो अपरिहार्य कारण बताते हैं तो उसे पूरा सुनें। इसके बाद सतेंद्र शिशौदिया ने कहा कि

- उन्होंने तीन बार का फॉमूर्ला बताया और कहा कि एक बार कहकर देखो, दसरी बार भी कहकर देखे और तीसरी बार भी उनसे आयाम में आने का अनुरोध करो और कार्यक्रमों की सूचना उन्हें दो।

अगर उसके बाद भी कोई पदाधिकारी नहीं आ रहा है तो उसे पदमुक्त कर दें। यह सुनकर बैठक में मौजूद कार्यकताओं के चेहरे पर जोश आ गया। बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिशौदिया ने फिर दोहराया कि अगर कोई जनप्रतिनिधि संगठन की बैठक में नहीं आता है तो फिर संगठन वाले भी उनके क्षेत्र में आयोजित किसी कार्यक्रम में नहीं जाएंगे। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि अगर जनप्रतिनिधि तुमहारे कार्यक्रम में नहीं आ रहे हैं तो फिर तुम भी उनके कार्यक्रमों में जाना बंद कर दो।

क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिशौदिया यहां कार्यकर्ता के अधिकार को लेकर और सम्मान को लेकर पूरी तरह से मूड में थे और उन्होंने कहा कि अगर जनप्रतिनिधि तुम्हारे यहां नहीं आते हैं तो तुम भी जनप्रतिनिधियों को अपने कार्यक्रम में बुलाना बंद कर दें। क्षेत्रीय अध्यक्ष के ये तेवर बैठक में मौजूद कार्यकताओं को काफी पसंद आए। यहां पर क्षेत्रीय अध्यक्ष अपने इस अंदाज से छाये रहे और ये कार्यकताओं की शिकायत थी कि संगठन के कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि दूरी बनाते हैं और वो हर कार्यकर्ता से ये उम्मीद करते हैं कि उनके कार्यक्रम में सभी लोग आएं। फिलहाल क्षेत्रीय अध्यक्ष ने अपने तेवर से कार्यकताओं को फेवर किया और निर्देश दे दिये कि अगर वो नहीं आए तो तुम भी मत जाओ।

साहिबाबाद मंडी विवाद पर बड़ा फैसला

जिलाधिकारी ने 70 दुकानों के नोटिस रद्द किए, आढ़तियों ने बजाई तालियाँ

- 70 दुकानों को जारी नोटिस रद्द आगे की कार्रवाई से पहले शासन से मार्गदर्शन
- 2008 से पूर्व के मामलों में दस्तावेज मांगे गए
- फैसले से आढ़तियों में खुशी की लहर

गाज़ियाबाद करंट क्राइम। साहिबाबाद मंडी समिति में 70 दुकानों को जारी नोटिसों पर खड़ा विवाद आखिरकार जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के हस्तक्षेप से थम गया। महात्मा गांधी सभागार में हुई निर्णायक बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी नोटिस तत्काल प्रभाव से वापस लिए जाएँ। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य की किसी भी कार्रवाई से पहले शासन से मार्गदर्शन लिया जाएगा।

बैठक में मण्डी सचिव सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि आवंटित दुकानों का क्रय-विक्रय या हस्तांतरण नियमों के खिलाफ है। इस पर दुकानदारों ने जवाब दिया कि 2008 से पहले ऐसे कोई नियम लागू नहीं थे और तब मण्डी सचिव को ही हस्तांतरण का अधिकार था। आढ़तियों का कहना था कि अब उन्हें अचानक नियमों के नाम पर परेशान किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद निर्णय सुनाया और आंवटियों से कहा कि 2008 से पूर्व के दावों को साबित करने के लिए वे दस्तावेज प्रस्तुत करें। जैसे ही आदेश सुनाया गया, सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और आढ़तियों ने जिलाधिकारी की खुले दिल से सराहना की। बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट डॉ. संतोष कुमार उपाध्याय, आईएएस अयान जैन और जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह भी मौजूद रहे।

साहिबाबाद मंडी लंबे समय से विवादों का केंद्र रही है। कभी 40 दुकानों को नोटिस, तो कभी मंडी परिसर में फायरिंग और तोड़फोड़। हाल ही में रिश्वतखोरी का वीडियो वायरल होने और अभद्र टिप्पणी के मामले में गिरफ्तारी तक की नौबत आ चुकी है। लगातार उठते सवालों और विरोध प्रदर्शनों ने आढ़तियों और प्रशासन के बीच अविश्वास की खाई गहरी की है।

जब वरिष्ठ भाजपाई ने भेजा जनप्रतिनिधि को भावुक मैसेज

फिर पलटकर आई कॉल और हुआ कुछ खास....

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जिंदगी में अलग-अलग फील्ड में सेट होने के सबके अपने-अपने तरीके हैं। राजनीति में कई बार सेट नहीं हो पाते तो फीलिंग अपसेट वाली आने लगती है। राजनीति में इन दिनों खासतौर से केसरिया नगरी में कई ऐसे देवतुल्य हैं जो अपसेट वाली प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। हालांकि कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें उनके हिसाब से बहुत कुछ मिला है मगर, उनका अपने हिसाब से यही मिला है कि हम तो पता नहीं क्या थे और हमें कुछ नहीं मिला है। वो बातों-बातों में ये जरूर बता देते हैं कि हमने पार्टी के झंडे उठाए हैं, हमने आंदोलन में डंडे खाए हैं। बताते हैं कि ऐसे ही एक भावुक पदाधिकारी हैं जिन्हें पार्टी ने पद से भी नवाजा, सरकारी कृपा भी हुई। ये इमोशनल जनप्रतिनिधि बैठे थे और अचानक उन्होंने अपना मोबाइल उठाया और मैसेज टाइप करना शुरू किया।

की-पैड पर उंगलियां चल रही थीं और दिमाग में बहुत कुछ चल रहा था। जो शब्द टाइप हो रहे थे वो अपना अर्थ ये बता रहे हैं कि वरिष्ठ भाजपाई ये बता रहे हैं कि मैं बहुत पुराना कार्यकर्ता हूं और वो जनप्रतिनिधि को रिमाइंड करा रहे हैं कि आपने जहां मुझे कहा मैं आपको वहीं मिला। आपके हर मूवमेंट में मेरा मूवमेंट रहा है और कुल मिलाकर सार ये था कि वरिष्ठ भाजपाई ने अपने शब्दों में इस बात का गिला कर दिया कि आप तो सेट हो गए और मैं आज भी अपसेट हूं और सेट और अपसेट वाली कथा के साथ अपनी व्यथा टाइप करने के बाद उन्होंने इस मैसेज को जनप्रतिनिधि के फोन पर सेंट कर दिया। अब जिन्होंने ये मैसेज सेंट किया था वो काफी सेंटिमेंटल हो रहे थे और मैसेज सेंट करने के बाद वो इंतजार कर रहे थे कि जिन जनप्रतिनिधि को मैसेज किया है उन जनप्रतिनिधि ने ये बड़ा मैसेज पढ़ा है कि नहीं पढ़ा है।

इसके बाद बार-बार उनकी निगाहें अपनी मोबाइल फोन की स्क्रीन पर ब्लू टिक का इंतजार करने लगी। क्योंकि ब्लू लाइन होते ही पता चलेगा कि मैसेज पढ़ लिया गया है। अभी वो देख ही रहे थे कि अचानक खट से ब्लू टिक हो गया। इमोशनल पदाधिकारी को लगा था कि जिन्हें उन्होंने मैसेज भेजा है उनका भी जवाब आएगा। मगर, जनप्रतिनिधि का तो मोबाइल पर कॉल आ गया। जनप्रतिनिधि ने फोन कर इमोशनल पदाधिकारी से कहा कि तुम घर पर आना और सुनो अकेले मत आना जितने भी तुम्हारे चाहने वाले हैं उन्हें भी साथ लेकर आना। अब इमोशनल पदाधिकारी को नहीं पता था कि ये जो एहसान जताने वाला मैसेज भेजा है जनप्रतिनिधि तुम्हारे चाहने वालों के सामने ही पूरे एहसान का हिसाब करेंगे।

अब सुना है कि जनप्रतिनिधि के आवास पर खातौर से बीप वाले चचा और उनके साथ वो त्यागी जी गए जिनकी पीड़ा ये है कि उन्हें कुछ नहीं मिला, उन्हें कुछ नहीं बचा। अब बातते हैं कि जब जनप्रतिनिधि के घर पहुंचे तो जनप्रतिनिधि ने भी पूरी विधि के साथ वरिष्ठ भाजपाई को एहसान के बदले एहसान गिनाएं और एक-एक करके सारे हिसाब बताए। जितने एहसान वरिष्ठ भाजपाई बता रहे थे, जनप्रतिनिधि ने उससे ज्यादा उन पर हुए एहसान गिना दिये और फिर ये भी कहा कि तुम ये बताओ कि आखिर तुम्हें क्या नहीं मिला। संगठन में तुम्हें पहले भी पद मिला और वर्तमान में भी तुम्हारे पास पद है। सरकार वाली कृपा का बादल भी तुम पर बरसा और चुनाव वाला सीन भी हुआ। वो कौन सी कृपा है जो तुम्हें लगता है कि तुम्हारे पद के हिसाब से तुम पर नहीं हुई।

सूत्र बताते हैं कि इसके बाद वरिष्ठ भाजपाई की बातों ही बातों में जनरली वो फाइल निकल आई जिसमें उनकी कनेक्टिविटी और एक्टिविटी के सारे तार जनरली कहीं ओर जाकर मिल रहे थे। अब इस सीन को देखकर साथ गए लोग भी हैरान और वहां बैठे पूरे मामले को देख और सुन रहे अन्य भाजपाई भी हैरान रह गये। बताते हैं कि सेंटिमेंटल मैसेज वाले नहले का जवाब जनप्रतिनिधि ने पूरे हिसाब-किताब वाले दहले से दिया। याद दिला दिया कि तुम पर तो कृपा की ओवरडोज हुई है। सुना है कि इसके बाद वरिष्ठ भाजपाई वहां से चुपचाप चल दिये। बताते हैं कि ये एपिसोड उस वाले एपिसोड के अगले दिन हुआ जिस दिन उनकी बिरादरी वाले के साथ एक सीन घटित हुआ था। इस किस्से की चर्चा पूरे सियासी गलियारे में गूंज रही है।

नमाज के बाद सड़कों पर बैनर लेकर उतरी भीड़

पुलिस का लाठीचार्ज, मौलाना तौकीर रजा नजरबंद

आई लव मोहम्मद पर प्रदर्शन

बरेली। करंट क्राइम। जुमे की नमाज के बाद बरेली में भारी बवाल हो गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया। प्रदर्शनकारी आई लव मोहम्मद पोस्टर विवाद को लेकर सड़कों पर उतरे थे।

आई लव मोहम्मद्र पोस्टर विवाद के चलते तनाव फैल गया। शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद ये तनाव और गहरा गया। इस मामले में आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के प्रदर्शन के ऐलान के बाद पुलिस-प्रशासन पहले से ही अलर्ट पर था। पुलिस ने काफी समझाने-बुझाने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारी भीड़ नहीं मानी और वह बैरिकेड तोड़ते हुए आगे बढ़ने की कोशिश करने लगी। जिसके बाद पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। फिलहाल, माहौल तनावपूर्ण हो गए हैं।

दरअसल, शुक्रवार को बरेली में जुमे की नमाज के बाद आई लव मोहम्मद पोस्टर विवाद को लेकर मुस्लिम समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों लोग शहर के अलग-अलग हिस्सों में पोस्टर और बैनर लेकर सड़कों पर उतर आए, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया।

बताया जा रहा है कि श्यामगंज इलाके में प्रदर्शनकारियों और एसपी क्राइम के बीच नोकझोंक भी हुई। हालात को देखते हुए पुलिस ने श्यामगंज में दुकानें बंद करा दीं। नौमहला मस्जिद के बाहर भी भीड़ जुट गई। जब भीड़ बेकाबू हो गई तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। जिससे कुछ ही मिनट में सैकड़ों की संख्या में जमा हुए लोग भाग खड़े हुए।

आपको बता दें कि मौलाना तौकीर रजा ने आई लव मोहम्मद मामले में डीएम के जरिए राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजने की बात कही थी। उन्होंने सड़क पर उतरने का ऐलान किया था। जिसको लेकर पुलिस पहले से हाई अलर्ट पर थी। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए हजारों की संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

शुक्रवार को सुबह से ही इस्लामिया मैदान और बिहारीपुर को छावनी में तब्दील कर दिया गया था. श्यामगंज मंडी वाले रोड पर बैरिकेडिंग करने के साथ-साथ भारी फोर्स भी लगाई गई थी. दोपहर होते-होते जब लोग घरों से निकलने लगे तो माहौल गरम होने लगा. आखिर में जुमे की नमाज के बाद लोग जुलूस के रूप से नारेबाजी करते हुए सड़कों पर निकल पड़े।

जुमे की नमाज के बाद महाराष्ट्र के बीड शहर में

खुले मंच से दी गई उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ को धमकी

नई दिल्ली। करंट क्राइम। महाराष्ट्र के बीड शहर में जुमे की नमाज के वक्त मंच से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धमकी दी गई है। धमकी के बाद पुलिस ने पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और एफआईआर दर्ज करने की तैयारी की है।

दरअसल, देशभर में ह्यआई लव मुहम्मद पोस्टरों को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। अब महाराष्ट्र के बीड में जुमे के मौके पर आयोजित आई लव मुहम्मद कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति ने मंच से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धमकी दी। उसने कहा कि अगर योगी आदित्यनाथ में हिम्मत है तो वे बीड आएं, और दावा किया कि अगर वे यहां आए तो वह उन्हें जान से मार देगा।

वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दी गई धमकी के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और एफआईआर दर्ज करने की तैयारी की है। शुक्रवार की नमाज को देखते हुए यूपी पुलिस हाई अलर्ट पर रही। कई जिलों में मस्जिदों के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

उत्तर प्रदेश के कानपुर से शुरू हुए हुआ एक मामला देश के कई राज्यों तक फैल चुका है। देखते ही देखते यह विवाद लखनऊ, बरेली, नागपुर, काशीपुर और हैदराबाद समेत देश के कई शहरों तक पहुंच गया। इस विवाद को लेकर कई जगह जुलूस निकाले गए। वहीं कई जगह तो इस विवाद को लेकर मुस्लिम महिलाएं सड़कों पर उतरी गई और पुलिस से झड़प की नौबत तक आ गई। जुमे की नमाज के बाद आज मस्जिदों के बाहर प्रदर्शन की गई। वहीं हिंदू संगठनों ने भी ह्यआई लव महादेवह्न कैंपेन के साथ जवाबी प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं।

दबंगों ने छात्र को उल्टा लटकाकर बुरी तरह पीटा

ग्रामीणों ने ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाने का किया घेराव

ग्रेटर नोएडा। करंट क्राइम। हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने शुक्रवार सुबह ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाने का घेराव किया। ग्रामीणों ने एक छात्र की पिटाई के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने का विरोध कर रहे हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो वे बडा आंदोलन करेंगे। सडक जाम कर यातायात को बाधित भी कर सकते हैं।

मामला 22 सितंबर का है। ग्रामीणों के मुताबिक, तिलपता गांव का 15 वर्षीय किशोर देव भाटी आईटीआई इंस्टीट्यूट का छात्र है। दोपहर को वह कॉलेज के बाहर चाय की दुकान पर चाय पी रहा था। वह चाय की दुकान पर रखी कुर्सी पर बैठकर चाय पी रहा था। तभी चार पांच लडके वहां आए और वेद भाटी से कुर्सी खाली करने को कहा। इस बीच कहासुनी हुई तो लडकों ने वेद भाटी की पिटाई कर दी। कुछ देर बाद पास के ही हॉस्टर से चार पांच गाडियों में भरकर युवक वहां पहुंचे और वेद भाटी को उठाकर हॉस्टल ले गए। परिजनों का आरोप है कि हॉस्टल में वेद भाटी को उल्टा लटकाकर बुरी तरह पिटाई की गई। बाद में उसे सडक के किनारे छोड दिया गया।

वेद भाटीके पिता प्रमोद भाटी ने कहा कि पुलिस से शिकायत की गई तो कहा गया कि मुख्यमंत्री का आगमन है, उनके प्रस्थान के बाद आरोपियों को पकडा जाएगा। लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों को पकडा नहीं गया।

वहीं, शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन बलराज के कार्यकताओं के साथ सैंकडों की संख्या में ग्रामीणों ने आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर नॉलेज पार्क थाने का घेराव किया। ग्रामीणों की जबर्दस्त संख्या को देखते हुए थाना प्रभारी बाहर ही नहीं निकले। बाद में पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जल्द ही इस मामले में कार्रवाई की जाएगी।

सीएम फडणवीस ने पीएम मोदी से की मुलाकात

बारिश से प्रभावित किसानों के लिए मांगी आर्थिक मदद

नई दिल्ली। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। भारी बारिश के बाद राज्य की स्थिति के बारे में उन्हें जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार से इस संबंध में प्रस्ताव भेजने को कहा है जिस पर विचार किया जाएगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। फडणवीस ने उनसे महाराष्ट्र में हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण नुकसान झेलने वाले किसानों की आर्थिक मदद करने का आग्रह किया। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के बीड और अन्य जिलों में इस सप्ताह के शुरू में भारी बारिश और बाढ़ के कारण फसलों और आवासीय संपत्तियों की बड़े पैमाने पर तबाही हुई।

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। भारी बारिश के बाद राज्य की स्थिति के बारे में उन्हें जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार से इस संबंध में प्रस्ताव भेजने को कहा है जिस पर विचार किया जाएगा। भाजपा के घोषणापत्र में किसानों की कर्जमाफी की बात कही गई है और सरकार का ध्यान इसे और अधिक प्रभावी बनाने पर है।

फडणवीस ने कहा कि घोषणा पत्र में दिए गए कर्जमाफी के आश्वासन को हम निश्चित रूप से पूरा करेंगे। इस संबंध में एक समिति गठित की गई है, जो कर्जमाफी पर फैसला करेगी। कर्जमाफी बार-बार नहीं की जा सकती, इसलिए इस पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा कि इसे और प्रभावी कैसे बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि खरीफ फसल के लिए लिए गए ऋण को अगले वर्ष चुकाना होगा। किसानों की तात्कालिक चिंता उनके खातों में मदद पहुंचाना है। इसलिए यह मदद पहुंचाना हमारी प्राथमिकता होगी।

अजित पवार ने किया बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा

इससे पहले गुरुवार को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने बृहस्पतिवार को बीड जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि सरकार बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए केंद्र से सहायता मांगेगी। पवार ने कहा कि सरकार उन मामलों में सहायता प्रदान करने के प्रति सकारात्मक है जहां बाढ़ के कारण कृषि भूमि की पूरी मिट्टी बह गई है। सरकार इसके जीर्णोद्धार के लिए सहायता प्रदान करेगी। इन जलाशयों में कीचड़ बहने के कारण किसानों के कुएं नष्ट हो गए हैं। हम ऐसे मामलों में भी सहायता करेंगे।

आगरा जिला जज कोर्ट ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और रामजीलाल सुमन को जारी किया नोटिस

13 अक्टूबर को अगली सुनवाई

आगरा। करंट क्राइम। आगरा की जिला जज अदालत ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और सपा के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह नोटिस अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह के सिविल रिवीजन की सुनवाई करते हुए जारी किया गया है। अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने राणा सांगा पर बयान देने को लेकर न्यायालय में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन के खिलाफ सिविल रिवीजन याचिका दाखिल की थी।

जिला जज न्यायालय ने इसे सुनवाई के लिए मानते हुए मामला एमपी/एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया है। मामले में अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी। अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया कि 24 मार्च को राणा सांगा केस सिविल जज सीनियर डिवीजन आगरा के न्यायालय में दायर किया गया था। 10 अप्रैल को पोषणीयता के स्तर पर इस वाद को खारिज कर दिया गया था। इसके विरोध में उन्होंने सिविल रिवीजन दायर की, जिसे जिला जज न्यायालय ने पोषणीय माना 22 जुलाई को वादी पक्ष को बिना सुने प्रतिनिधि वाद का प्रार्थना पत्र खारिज कर वाद की कार्यवाही सिविल जज सीनियर डिवीजन न्यायालय द्वारा समाप्त कर दी गई। 22 जुलाई के आदेश के विरुद्ध 22 सितंबर को पुनः सिविल रिवीजन जिला जज के न्यायालय में दायर की थी।

ड्यूटी के दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर हमला, गाली-गलौज कर की मारपीट

दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के तिमारपुर इलाके में ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की गई। जिसका वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें दिख रहा है कि पुलिसकर्मी को भीड़ ने घेर रखा है और कुछ लोग उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और कुछ लोग मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। वारदात 24 सितंबर 2025 को दोपहर करीब 2:40 बजे की है

पुलिस के मुताबिक, सब-इंस्पेक्टर सूरज पाल सिंह तिमारपुर ट्रैफिक सर्कल में ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान एक स्कूटी पर सवार दो लोग वहां से गुजरे और बिना किसी वजह के पुलिसकर्मी से गाली-गलौज करने लगे। जब एसआई सूरज पाल सिंह ने उनके व्यवहार पर आपत्ति जताई, तो दोनों युवक आक्रामक हो गए। तभी मौके पर मौजूद कुछ और लोग भी उनके साथ मिल गए और पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया।

वहां मौजूद एक शख्स ने पीसीआर को सूचना दी। थोड़ी देर में पीसीआर वैन और बाकी ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमले के आरोप में दो युवकों को पकड़ लिया, जिनके नाम अकबर हुसैन और सलमान है। हालांकि, उनके साथ मौजूद कुछ और लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

एस्कॉट एशिया गाजियाबाद के स्टूडेंट्स संग उड़ान पर निकले पूर्व सीएम चन्नी

गाजियाबाद। एस्कॉट एशिया गाजियाबाद के फ्लाइट एक्सपोजर प्रोग्राम ने एक यादगार पल रच दिया। इस विशेष अवसर पर छात्रों के साथ पंजाब के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री चरनजीत सिंह चन्नी भी मौजूद रहे और उन्होंने छात्रों के साथ हवाई सफर का आनंद लिया।

यह अनुभव छात्रों के लिए केवल एक शैक्षणिक एक्सपोजर ही नहीं बल्कि जीवनभर की प्रेरणा भी साबित हुआ। उड़ान के दौरान चन्नी जी ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया और उन्हें बड़े सपने देखने तथा कड़ी मेहनत करने की सलाह दी। संस्थान ने इसे अपने लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि छात्रों को ऐसा अवसर देना उनके व्यक्तित्व विकास की दिशा में अहम कदम है।

1965, 1971 और 1999 की जंग में पाकिस्तान के छक्के छुडाने वाला प्रतिष्ठित मिग-21 शुक्रवार को हुआ रिटायर

नई दिल्ली। करंट क्राइम। कई लडाइयों में अपने युद्ध कौशल से दुश्मनों के छक्के छुडाने वाले भारतीय वायुसेना का प्रतिष्ठित लड़ाकू विमान मिग-21 आज रिटायर हो रहा है। मिग-21 को 1965, 1971 और 1999 की जंग में जीत के लिए जाना जाएगा। मिग-21 अब तेजस से बदल रहा है, जो आधुनिक तकनीकों से लैस है।

भारतीय वायुसेना का सबसे प्रतिष्ठित लड़ाकू विमान मिग-21 शुक्रवार को आधिकारिक रूप से रिटायर हो रहा है। आज भारतीय वायुसेना इस विमान को आखिरी सलामी देने जा रही है। भारत के लिए मिग-21 सिर्फ विमान नहीं बल्कि पाकिस्तान पर जीत का प्रतीक है। 1965, 1971 और 1999 की जंग में मिग-21 ने दुश्मनों को हौसलों को पस्त करते हुए पाकिस्तान के लिए काल बन गया था।

1965 की जंग में तो सिर्फ थी एक झलक

पाकिस्तान के साथ 1965 की जंग में मिग-21 भले ही नया हो लेकिन उसने दुश्मन के छक्के छुड़ा दिए थे। उस जंग में पाकिस्तान अमेरिकी फाइटर जेट्स से लड़ रहा था लेकिन फिर भी मिग 21 के सामने युद्ध में टिक नहीं पाया। मिग-21 ने अपनी स्पीड और सटीक हमले से पाकिस्तान को चौंका दिया।

1971 में मिग-21 ने तोड़ी पाकिस्तान की रीढ़

पाकिस्तान के खिलाफ 1971 की जंग में भारत के फाइटर जेट मिग-21 ने दुश्मनों के नाक में दम कर दिया था। मिग 21 ने अपने सटीक हमले से कई दुश्मन देश के कई रनवे को बर्बाद कर दिया था। मिग 21 को उस वक्त आसमान में बादशाहत हासिल थी। 1971 की जंग में पाकिस्तान के 93000 से अधिक सैनिकों ने हथियार डाल दिए थे। इस जंग में मिग 21 की आक्रामक रणनीति काफी अहम थी।

कारगिल के युद्ध में पाकिस्तान को खदेड़ा

कारगिल युद्ध में मिग-21 ने दुश्मन की घुसपैठ और हवाई हमलों को रोकने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा मिग-21 ने दुश्मन देश के फाइटर जेट को मारकर भारत की सामरिक ताकत का एहसास कराया। टोही मिशन और लक्ष्य भेदन में भी मिग-21 ने अपनी उपयोगिता साबित की थी।

कौन लेगा मिग-21 की जगह

मिग 21 की वजह भारतीय वायुसेना का होमग्रोन लड़ाकू एयरक्राफ्ट तेजस ले रहा है। तेजस ही मिग-21 का मजबूत और आधुनिक विकल्प हैं। ये विमान आधुनिक रडार, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम और मिसाइल टेक्नोलॉजी से लैस है।

मुक्तसर में ट्रक ने स्कूटी सवार दो युवतियों को कुचला सिर के ऊपर से गुजर गए टायर, दोनों की मौत

चण्डीगढ़-पंजाब। मुक्तसर में तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से दो युवतियों की मौत हो गई। दोनों स्कूटी पर सवार थी। दोनों के ऊपर से ट्रक के टायर गुजर गए जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

पंजाब के मुक्तसर में बड़ा हादसा हुआ है। यहां एक बेकाबू तेल टैंकर (ट्रक) ने स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर से स्कूटी सवार दो युवतियां गिर गई और ट्रक उनके ऊपर से गुजर गया। हादसे में दोनों की मौत हो गई। घटना शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे की है। युवतियों की पहचान राजवीर कौर (30) निवासी गांव रहूड़ियांवाली और रेणू (22) निवासी गांव थांदेवाला के तौर पर हुई है। मुक्तसर के बठिंडा-मलोट बाईपास पर तेल टैंकर की चपेट में आने से स्कूटी सवार दो छात्राओं की मौत हो गई। मृतक छात्राएं मुक्तसर के एक मेडिकल कॉलेज में पढ़ती थी। ट्रक के टायर उनके सिर के ऊपर से गुजर गए। जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने आरोपी ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है। दोनों छात्राओं के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया गया है। राजवीर कौर शादीशुदा थी और उनके दो बच्चों की मां थी। जानकारी के अनुसार मेडिकल कॉलेज से निकलने के बाद दोनों छात्राएं राजवीर कौर और रेणू स्कूटी पर सवार होकर बठिंडा-मलोट रोड से गुजर रही थीं। इसी दौरान वहां पर तेज रफ्तार तेल टैंकर आया और उसने स्कूटी को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सड़क की बदहाल हालत के चलते स्कूटी का संतुलन बिगड़ गया और दोनों लड़कियां तेल टैंकर की चपेट में आ गईं और ट्रक के टायर उनके सिर के ऊपर से गुजर गए, जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस वहां पहुंची और टैंकर को कब्जे में लेने के बाद चालक को भी हिरासत में ले लिया।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 ● नई दिल्ली। शनिवार 27 सितंबर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

बरेली में बवाल के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अलर्ट

पुलिस कमिश्नरेट के तीनों जोन में बढ़ाई गई चौकसी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बरेली में हुए बवाल के बाद पुलिस को लाठी चार्ज करना पड़ा है। तो वही पूरे पश्चिम उत्तर प्रदेश को अलर्ट मोड पर रखा गया है। शुक्रवार को पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के तीनों जोन में डीसीपी स्तर के अधिकारियों और एसीपी अफसर फील्ड पर उतरे। पैदल गश्त की, तो संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाने के साथ ही सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखी जा रही है। वही त्योहारी सीजन के मध्यनजर अन्य व्यवस्थाओं को भी पुख्ता किया गया है। एडिशनल सीपी क्राइम एवं मुख्यालय आईपीएस अधिकारी केशव चौधरी ने कहा है कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में पुलिस को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

कैलाभट्टा से लेकर मसूरी और देहात के इलाकों में निकाला गया फ्लैग मार्च

करंट क्राइम। शुक्रवार को पुलिस कमिश्नरेट में सिटी जोन के अंतर्गत आने वाले केला भट्ठा इलाके में जहां पुलिस दलबल के साथ फ्लैग मार्च निकालने निकली, तो एसीपी रितेश त्रिपाठी और घंटा घर कोतवाल मनोज कुमार ने पुलिस बल के साथ पैदल मार्च किया। इस दौरान कई स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया गया। तो वहीं एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल द्वारा अपने इलाके में पैदल गश्त की गई। एसीपी मसूरी लिपि नगायच डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी के निर्देश पर मुस्लिम बाहुल्य इलाकों के दौरे पर रहे। तो खुद डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी ने कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत रखने का निर्देश दिया है ।

सोशल मीडिया पर रखी जा रही है निगरानी, सद्भाव रहेगा कायम : एडिशनल सीपी

करंट क्राइम : एडिशनल सीपी केशव चौधरी ने कहा है कि कमिश्नरेट के अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। एसीपी को पैदल गश्त बढ़ाने और त्योहारी सीजन पर विशेष फोकस रखने का निर्देश है। तो वही सोशल मीडिया के माध्यम से भी गाजियाबाद पुलिस की टीम निगरानी रख रही है। वहीं सभी धर्म एवं संप्रदाय के लोगों से किसी भी तरीके से माहौल न खराब होने देने के लिए लगातार बातचीत और बैठके भी कराई जा रही हैं।

आत्मनिर्भर भारत अभियान से स्थानीय स्वरोजगार और महिलाओं को मिलेगा सशक्तिकरण : सत्येन्द्र सिसोदिया

गाजियाबाद करंट क्राइम। भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा आयोजित आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की जिला कार्यशाला आज गोल्डन व्यू रिजॉर्ट, राजनगर एक्सटेंशन में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येन्द्र सिसोदिया रहे, जबकि अध्यक्षता भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सत्येन्द्र सिसोदिया ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इसके उपरांत महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में सामूहिक वंदे मातरम गान हुआ।

मुख्य वक्ता सत्येन्द्र सिसोदिया ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

स्थानीय उत्पादों और स्वरोजगार को बढ़ावा देकर महिलाओं और युवाओं का सशक्तिकरण होगा। मजदूर मजबूत होगा तो देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। उन्होंने स्वदेशी बनाना, स्वदेशी अपनाना को इस अभियान की मूल भावना बताया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि वोकल फॉर लोकल के माध्यम से स्थानीय उद्योगों और स्वरोजगार को मजबूती दी जाएगी और जनता को स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा।

इस अवसर पर महानगर महामंत्री गोपाल अग्रवाल, राजेश त्यागी, पप्पू पहलवान, उपाध्यक्ष बॉबी त्यागी, सुशील गौतम, प्रदीप चौधरी, सह संयोजक प्रहलाद दुआ, नीरू शर्मा सहित सभी महानगर पदाधिकारी, मोर्चा/प्रकोष्ठ अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खामोशी तोड़ो, मदद बुलाओ – पुलिस ने बच्चों को दिया भरोसा

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को बैड टच और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी

गाज़ियाबाद करंट क्राइम। महिला सुरक्षा और बच्चों की आत्मरक्षा को लेकर गाज़ियाबाद पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत विशेष पहल की। पुलिस आयुक्त रविन्द्र कुमार के निर्देश पर पिंक बूथ पुलिस टीम मोहननगर और एंटी रोमियो स्क्वाड टीम थाना साहिबाबाद ने शुक्रवार को साहिबाबाद के सेंट थॉमस स्कूल में छात्राओं को जागरूक किया।

कार्यक्रम में बच्चियों को बैड टच की पहचान करने और ऐसे हालात में तुरंत आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने उन्हें भरोसा दिलाया कि किसी भी असुविधा, असुरक्षा या अपराध की स्थिति में वे बेझिझक हेल्पलाइन नंबरों का इस्तेमाल करें।

कब कौन-सा हेल्पलाइन नंबर काम आता है?

112 : किसी भी आपात स्थिति — सड़क हादसा, झगड़ा, तुरंत पुलिस सहायता।

1090 : महिला हेल्पलाइन — छेड़खानी, पीछा करना, ऑनलाइन उत्पीड़न जैसी घटनाएँ।

181 : महिला हेल्पलाइन — घरेलू हिंसा, उत्पीड़न या मानसिक तनाव की स्थिति।

1930 : साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन — ऑनलाइन ठगी, पैसों की धोखाधड़ी या बैंकिंग फ्रॉड।

101: अग्निशमन – आग से जुड़ी किसी भी आपातकालीन स्थिति में अग्निशमन सेवा (फायर ब्रिगेड) को बुलाने के लिए है ।

कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने छात्राओं से कहा चुप रहना समस्या को बढ़ाता है, लेकिन मदद माँगना आपको सुरक्षित बनाता है। पुलिस हर वक्त आपके साथ खड़ी है।

पाइप लाइन से टूट गई सड़क और लोग परेशान

वाहन चालकों को हो रही परेशानी और अधिकारी हैं अनजान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कई बार विकास ऐसा होता है कि स्थानीय लोगों के लिये वो परेशानी का सबब बन जाता है। कई बार कंपनियां विकास के बाद अपना बोरिया बिस्तर लेकर चली जाती हैं और लोगों के लिये कई दिन तक परेशानी का सबब छोड़ जाती हैं। मामला कविनगर की डी-ब्लॉक, के-ब्लॉक वाली सड़क का है। स्थानीय लोग बताते हैं कि यहां पाइप लाइन के लिये निजी कंपनी ने खुदाई की। यहां जल निगम के बोर्ड लगे हैं और लोगों को जल की लाइन का तो पता नहीं लेकिन जल की लाइन वाली मिट्टी से जो परेशानी हो रही है इसकी वो शिकायत कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि निगम वालों ने यहां पाइप लाइन डाली और पाइप लाइन डालने के बाद वो मिट्टी को ठीक से भराव करके नहीं गए हैं। नतीजा ये है कि रोजाना इस पाइप लाइन के चलते बड़े गड्ढों में कारें फंस रही हैं, लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और सबसे खास बात ये है कि पाइप लाइन का ये काम उन वाहन चालकों के लिये खतरा बन गया है जो रात्रि में यहां से गुजरते हैं। लोगों को अच्छी खासी परेशानी हो रही है। यहां से गुजरने वाले वाहन इन गड्ढों में फंस रहे हैं।

सबसे बड़ी बात ये है कि लोगों का ये कहना है कि अधिकारी इस पूरे सिस्टम से अनजान बने हुए हैं। अगर किसी निजी कंपनी को भी इस कार्य का ठेका दिया गया है तो क्या उस कंपनी की ये जिम्मेदारी नहीं है कि वो सड़क को और उन गड्ढों को ऐसे भरकर जाए कि लोगों को परेशानी नहीं हो। अगर अधिकारी इस तरफ ध्यान दें तो ये समाधान हो सकता है। लोगों का कहना है कि एक हफ्ते से भी अधिक समय गुजर गया है। के-ब्लॉक वाली सड़क हो या पुलिस चौकी वाली सड़क हो सभी ओर लोगों को परेशानी हो रही है। कॉलोनिवासियों का कहना है कि जब यहां यह पाइप लाईन डाली जा रही थी उन्होंने तब भी इस कार्य को करा रही कंपनी के कर्मचारियों से से कहा था कि वो पाईप लाईन डालने के दौरान सडक को इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त ना करें कि यहां जनसुविधा के बजाय जन असुविधा हो जाये। लेकिन पाईप लाईन डालने वाली कंपनी ने इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया और अब नतीजा ये है कि यहां लोगों को इस पाईप लाईन से टूटी से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

महिला पुलिस का पहला एनकाउंटर, करोड़ों की साइबर ठगी और किसानों का विरोध : गाज़ियाबाद बना घटनाओं का केंद्र

महिला पुलिस टीम का पहला एनकाउंटर

करंट क्राइम। लोहियानगर क्षेत्र में गाज़ियाबाद पुलिस की ऑल-विमेन टीम ने पहली बार एनकाउंटर कर वांछित अपराधी जितेन्द्र को पकड़ा। आरोपी पर लूट और चोरी जैसे कई मामले दर्ज थे। रात में बाइक चेकिंग के दौरान हुई इस कार्रवाई ने महिला पुलिस की सख़्ती और सशक्तिकरण दोनों को नई पहचान दी।

गौरव शशि नारायण

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में इस हफ़्ते अपराध, राजनीति, सामाजिक घटनाओं और प्रशासनिक निर्णयों की वजह से लगातार सुर्खियाँ बटोरीं। महिला पुलिस टीम का पहला एनकाउंटर, बीटेक पास युवक द्वारा 14 राज्यों में करोड़ों की ठगी, एक सुनार की रहस्यमयी आत्महत्या, नकली घी बेचने का कारोबार, विदेशी नागरिकों को निशाना बनाने वाला कॉल सेंटर और किसानों का सर्कल रेट वृद्धि के खिलाफ गुस्सा—ये सभी घटनाएँ न केवल स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बनीं बल्कि राष्ट्रीय अखबारों के पन्नों तक पहुँचीं।

6.76 करोड़ की ठगी: बीटेक पास आरोपी गिरफ्तार

करंट क्राइम। थाना साहिबाबाद क्षेत्र की साइबर टीम ने बीटेक पास युवक को गिरफ्तार किया, जिसने 14 राज्यों में लगभग 40 मामलों में 6.76 करोड़ रुपये की ठगी की थी। आरोपी ऑनलाइन निवेश और फर्जी वादों से लोगों को फंसाता था।

सुनार की आत्महत्या और नोट में लिखे नाम

करंट क्राइम। थाना नंदग्राम क्षेत्र में एक सुनार ने अपनी कार में खुद को गोली मार ली। मौके पर मिले नोट में उसने तीन नाम—रीता, अक्षय और अनु—का ज़िक्र किया और आरोप लगाया कि उन्होंने उसका एक करोड़ का सोना हड़प लिया।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

करंट क्राइम। थाना क्रॉसिंग्स रिपब्लिक क्षेत्र में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ हुआ। यहाँ से 11 लोग गिरफ्तार किए गए। आरोपी अमेरिकी नागरिकों की वित्तीय व स्वास्थ्य संबंधी प्रोफाइल चुराकर बेचते थे।

नकली घी का कारोबार

करंट क्राइम। थाना ट्रांस हिंडन क्षेत्र की वैशाली इलाके थाना क्षेत्र कौशांबी में खाद्य विभाग और पुलिस ने छापा मारकर दो भाइयों के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। वे बड़े ब्रांड के नाम पर नकली देसी घी बेच रहे थे। छापे में 82 पैकेट और 5 टिन जब्त हुए।

किसानों का रोष: सर्कल रेट विवाद

करंट क्राइम। थाना कवि नगर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हनर्दीपुरम और आसपास की भूमि का सर्कल रेट बढ़ाने के प्रस्ताव ने किसानों में नाराजगी पैदा की। किसानों ने कहा कि इससे भूमि अधिग्रहण की लागत और उनका आर्थिक बोझ बढ़ जाएगा।

इस हफ़्ते गाज़ियाबाद की घटनाएँ यह दशार्ती हैं कि यह शहर केवल ठउफका हिस्सा भर नहीं है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक और प्रशासनिक टकराव की एक बड़ी प्रयोगशाला है।

- महिला पुलिस का एनकाउंटर नारी सशक्तिकरण और अपराध-नियंत्रण दोनों का प्रतीक बना।
- करोड़ों की साइबर ठगी और फर्जी कॉल सेंटर ने डिजिटल अपराध की गहराई उजागर की।
- नकली घी का मामला उपभोक्ता सुरक्षा के लिए अलर्ट है।
- सुनार की आत्महत्या सामाजिक व आर्थिक दबावों की कहानी कहती है।
- किसानों का रोष प्रशासन और जनता के बीच बढ़ते टकराव को सामने लाता है।

हरप्रीत सिंह जग्गी को मिला जिला शासकीय अधिवक्ता (दीवानी) का अतिरिक्त प्रभार

गाज़ियाबाद करंट क्राइम: ज़िलाधिकारी गाज़ियाबाद द्वारा एडवोकेट हरप्रीत सिंह को उनके पूर्व के पद अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (दीवानी), गाज़ियाबाद के साथ-साथ अब जिला शासकीय अधिवक्ता (दीवानी), जनपद गाज़ियाबाद का अतिरिक्त प्रभार अग्रिम आदेशों तक सौंपा गया है।

गौरतलब है कि वरिष्ठ अधिवक्ता हरप्रीत सिंह जग्गी को इससे पहले भी शासकीय अधिवक्ता की जिम्मेदारी मिली है। वह गाजियाबाद बार एसोसिएशन के सम्मानित सदस्य हैं। वह शिक्षण और धार्मिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं। अधिवक्ता क्षेत्र में उन्होंने अपनी एक प्रतिष्ठित पहचान स्थापित की है।

इस नियुक्ति पर प्रमुख सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने हरप्रीत सिंह जग्गी को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर अल्पसंख्यक आयोग उत्तर प्रदेश के पूर्व सदस्य सरदार एस.पी. सिंह, गांधी नगर गुरुद्वारा के अध्यक्ष जगमोहन सिंह सलूजा, राजनगर गुरुद्वारा के महासचिव मनजीत सिंह सेठी, कविनगर जी ब्लॉक से सरदार रविन्दर सिंह जौली सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संपादकीय

शांति से हिंसा तक

किसी भी विरोध प्रदर्शन में अगर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें सामने रखी जाएं, तो उसके अंजाम तक पहुंचने और सर्वमान्य हल निकलने की उम्मीद की जा सकती है। विडंबना यह है कि कई बार मुद्दे सुलगते रहते हैं और सरकार को वक्त पर उसका समाधान निकालने की जरूरत महसूस नहीं होती। वहीं लंबे वक्त तक टालमटोल या कोताही आखिरकार असंतोष की स्थिति पैदा करती है। फिर जब प्रतिक्रिया का स्वरूप अनियंत्रित और अराजक होता है, तब कई बार उसे संभालना मुश्किल हो जाता है। लेह में बुधवार को हुई हिंसा इन्हीं स्थितियों का नतीजा लगती है। गौरतलब है कि लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान के अनुच्छेद 244 के तहत छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लेह में लोग आंदोलन पर उतरे हुए थे। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी दो हफ्ते से भूख हड़ताल पर थे। मगर बुधवार को यह प्रदर्शन हिंसक हो उठा और लोगों ने भाजपा कार्यालय को भी आग के हवाले कर दिया। इसके बाद पुलिसकर्मियों के साथ हुई झड़पों के दौरान कई की जान चली गई और काफी लोग घायल हो गए।

सवाल है कि अपनी मांगों के साथ कई दिनों से शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे लोगों के सामने आखिर कैसी स्थिति पैदा हुई कि उन्होंने हिंसक रास्ता अख्तियार कर लिया। पिछले कई दिनों से वहां जैसे शांतिपूर्ण हालात थे, उसमें अराजकता को अचानक उपजी किसी स्थिति का नतीजा मानना थोड़ा मुश्किल लगता है। खासतौर पर जब पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने का सवाल नया नहीं हो। इसके अलावा, लेह और करगिल के लिए अलग-अलग लोकसभा सीटें तय करने और रोजगार में आरक्षण की मांग भी अहम मुद्दे हैं। दरअसल, अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद केंद्र सरकार की ओर यह आश्वासन दिया गया था कि लद्दाख को राज्य का दर्जा दिया जाएगा। इस बात को करीब पांच वर्ष हो गए, लेकिन अब भी इस पर स्थानीय समूहों- लद्दाख एपेक्स बाडी और करगिल लोकतांत्रिक गठबंधन के साथ सिर्फ बातचीत ही चल रही है। आखिर केंद्र सरकार की घोषणाओं के समांतर लद्दाख के लोगों की स्पष्ट मांगों के बावजूद सबसे संवेदनशील और जरूरी मुद्दों पर बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से हल निकालने को लेकर सहमति बनाने को प्राथमिकता क्यों नहीं दी गई। सच यह है कि जब प्रमुख मांगों को पूरा करने या समस्या का सर्वमान्य हल निकालने को लेकर कोताही बरती जाती है और टालमटोल किया जाता है, तो उससे जुड़े अन्य मुद्दे भी अपना असर डालने लगते हैं। पिछले पांच वर्षों के दौरान वहां बेरोजगारी एक जटिल समस्या बन कर उभरी है। ऐसी शिकायतों ने वहां तूल पकड़ा है कि अलग-अलग बहाने बना कर स्थानीय लोगों को नौकरियों से बाहर रखा जा रहा है और लद्दाख को संरक्षण भी नहीं दिया जा रहा। ऐसे में स्थानीय लोगों, खासकर रोजगार की उम्मीद में वक्त काटते युवाओं के बीच स्वाभाविक रूप से असंतोष ने जड़ें जमाना शुरू किया। इस तरह की संवेदनशील स्थितियों से अगर समय पर नहीं निपटा जाए, तो कुछ समय बाद उन्हें संभालना मुश्किल होता है।

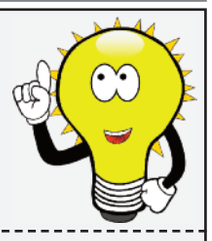

भारी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार सेंसेक्स 733 अंक टूटा, निफ्टी 24700 के नीचे

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भारतीय बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बड़ी बिकवाली के बाद 733.22 अंक गिरकर 80,426.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 236.15 अंक गिरकर 24,654.70 अंक पर आ गया।

शेयर बाजार लगातार छठवें दिन लाल निशान पर बंद हुआ। शुक्रवार बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बड़े टैरिफ की घोषणा के बाद आई। उन्होंने कहा कि दवाइयों पर 100 फीसदी, किचन कैबिनेट और बाथरूम वैनिटी पर 50 फीसदी, फर्नीचर पर 30 फीसदी और भारी ट्रकों पर 25 फीसदी आयात कर लगाया जाएगा। नए टैरिफ 1 अक्टूबर, 2025 से लागू होने वाले हैं। इस घोषणा के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 50 दोनों में भारी गिरावट देखी गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 733.22 अंक या 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,426.46 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 236.15 अंक या 0.95 प्रतिशत गिरकर 24,654.70 पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे बढ़कर 88.72 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

अमेरिकी टैरिफ से निवेशकों की धारणा हुई प्रभावित

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख ने कहा कि भारतीय बाजार में एशियाई बाजारों की तरह ही भारी गिरावट देखी गई। दवा कंपनियों पर नए टैरिफ लगाने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई, जिससे दवा कंपनियों के शेयर भारी गिरावट में आ गए। इस बीच, एक्सेंचर के कमजोर दिशानिर्देशों और नौकरियों में कटौती ने आईटी खर्च में कमी को उजागर किया। एआई-आधारित विकास उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा, जिससे तकनीकी शेयरों में व्यापक बिकवाली हुई। वैश्विक अनिश्चितता के बीच निवेशक सतर्क बने हुए हैं और निकट भविष्य में घरेलू निवेश और खपत पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

एआई बूम से अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी जेफरीज ने दिए सट्टेबाजी के संकेत

नई दिल्ली। जेफरीज ने चेतावनी दी है कि एआई निवेश की तेजी अमेरिकी और वैश्विक शेयर बाजार में सट्टेबाजी के संकेत दिखा रही है। ओरेकल, एनवीडिया और चीन की एआई कंपनियों में उछाल ने बाजार में हलचल मचा दी है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) में हो रहे बड़े निवेश की वजह से अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी देखने को मिल रही है। लेकिन जेफरीज ने चेतावनी दी है कि इस तेजी में सट्टेबाजी के खतरे भी नजर आ रहे हैं। जेफरीज की ग्रीड एंड फियर रिपोर्ट के अनुसार, एआई से जुड़े निवेश और पैसिव फंड प्रवाह के कारण एस एंड पी 500 का मार्केट वैल्यू अप्रैल से अब तक लगभग $15 ट्रिलियन बढ़ गया है, जो अमेरिका की जीडीपी के आधे के बराबर है। वहीं, इस साल अमेरिकी डॉलर इंडेक्स लगभग 10% गिर गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ओरेकल की तिमाही कमाई के बाद उसके शेयर में लगभग 40% की तेजी मार्केट में मैनिया का संकेत है। ओरेकल ने ओपनएआई के साथ पांच साल के $300 बिलियन के बड़े सौदे का खुलासा किया। इसके बाद एनवीडिया ने ओपनएआई के डेटा सेंटर प्रोजेक्ट के लिए $100 बिलियन का निवेश करने का वादा किया। जेफरीज ने इस स्थिति की तुलना 2000 के दशक के टेक बबल से की और चेतावनी दी कि यह मॉडल पहले जीपीयू-रेंटल व्यवसायों में टूट सकता है।

शेयर बाजार में चौतरफा खरीदारी

साथ ही, फेडरल रिजर्व की नीति में ढील ने शेयर बाजार की तेजी को और बढ़ा दिया है। नए फेड गवर्नर स्टीफेन मीरान ने लंबे समय के ब्याज दर को नियंत्रित करने का संकेत दिया है, जिससे डॉलर कमजोर हो सकता है और सोने की कीमतें बढ़ सकती हैं। चीन में एआई रैली भी जारी है। स्टॉक कनेक्ट के जरिए मेनलैंड इनफ्लो ने हैंग सैंग टेक इंडेक्स को इस साल लगभग 43% ऊपर ले आया, जबकि नैस्डैक केवल 16.5% बढ़ा। अलीबाबा का शेयर इस साल 109% और टेनसेंट का 56% बढ़ा।

जेफरीज ने क्या कहा ?

जेफरीज ने कहा कि अब पश्चिमी निवेशक, जो पहले चीन को निवेश के लिए उपयुक्त नहीं मानते थे, वे चीन की सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स और क्लीन एनर्जी में तेजी देखकर अपनी सोच बदल रहे हैं। अगले महीने एपीईसी समिट में शी जिनपिंग और डोनाल्ड ट्रंप की बैठक संभावित ट्रेड सुधार का रास्ता खोल सकती है। हांगकांग में सुधार के संकेत भी मिल रहे हैं। रिटेल सेल्स बढ़ीं, आईपीओ फंडिंग दोगुनी हुई, और एक्सचेंज वॉल्यूम बढ़ा है। हालांकि, ऑफिस और रिटेल प्रॉपर्टी की कीमतें अभी भी नीचे हैं, लेकिन रेसिडेंशियल हाउसिंग में सुधार के शुरूआती संकेत मिल रहे हैं। जेफरीज ने चेतावनी दी, एआई युग में बाजार पहले से ज्यादा रिफ्लेक्सिव हैं। रिटेल निवेशक अब अपने चैटबॉट्स द्वारा सुझाए गए स्टॉक्स खरीद रहे हैं। अमेरिका की एआई कैपेक्स तेजी की स्थिरता तय करेगी कि रैली लंबे समय तक टिकेगी या टूट जाएगी।

38 भारतीय बैंकों का डेटा लीक होने की आशंका दावा-लेनदेन के लाखों रिकॉर्ड ऑनलाइन हो गए उजागर

नई दिल्ली। भारत से जुड़ा एक बड़ा डेटा इंटरनेट पर लीक होने की खबर है। जानकारों के अनुसार भारतीय बैंकों के लाखों बैंक ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड इंटरनेट पर उजागर हो गए। यह डेटा एक असुरक्षित अमेजन र3 क्लाउड सर्वर से लीक हुआ। लीक डेटा में खाताधारकों के नाम, बैंक अकाउंट नंबर, ट्रांजैक्शन राशि और संपर्क जानकारी जैसी संवेदनशील जानकारियां शामिल थीं। साइबर सुरक्षा कंपनी अपगॉर्ड ने यह दावा किया है।

कैसे हुआ खुलासा?

साइबर सुरक्षा कंपनी अपगॉर्ड ने अगस्त के अंत में इस डेटा लीक का पता लगाया। उनके रिसर्चर्स को अमेजन-होस्टेड स्टोरेज सर्वर पर लगभग 2 लाख 73 हजार पीडीएफ फाइलें मिलीं। रिसर्चर्स के अनुसार लीक डेटा में भारतीय ग्राहकों के बैंक ट्रांसफर रिकॉर्ड शामिल थे। इन फाइलों में से ज्यादातर ठअउल (नेशनल ऑटोमेटेड क्लियरिंग हाउस) से जुड़ी थीं। एनएसीएच एक केंद्रीकृत सिस्टम है, जिसका इस्तेमाल बैंक बड़े पैमाने पर होने वाले सैलरी ट्रांसफर, लोन रीपेमेंट और बिजली-पानी के बिल जैसे नियमित भुगतानों के लिए करते हैं।

किन बैंकों का डेटा लीक हुआ?

अपगॉर्ड के अनुसार, यह डेटा कम से कम 38 बैंकों और वित्तीय संस्थानों से जुड़ा थे। सबसे ज्यादा दस्तावेजों में ए

फाइनेंस का नाम आया। भारतीय स्टेट बैंक (रइक) का नाम भी कई दस्तावेजों में मौजूद था। इस लीक की जानकारी ए फाइनेंस, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (ठढउक) और अन्य संबंधित संस्थानों को दी गई थी। लेकिन शुरूआती सितंबर तक यह डेटा इंटरनेट पर खुला रहा और रोजाना नई फाइलें भी जुड़ती रहीं। इसके बाद उएफ्ळ-क्ल्ल को सूचित किया गया और सर्वर को सुरक्षित किया गया। हालांकि, अब तक किसी भी संस्था ने इस लापरवाही की जिम्मेदारी लेने से साफ इनकार किया है।

रोचक तथ्यों का करंट

- यदि एक डबल इंद्रधनुष है तो दुसरे वाले के रंग प्राथमिक या पहली इंद्रधनुष के विपरीत क्रम में होते हैं।
- एक चंद्र इंद्रधनुष या चंद्रधनुष देखने के लिए, चंद्रमा केवल पूर्ण ही नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सूर्योदय से 2 से 3 घंटे के भीतर आकाश में 42 डिग्री से भी कम होना चाहिए, और निश्चित रूप से, बारिश बिल्कुल उस सटीक पल पर चंद्रमा के विपरीत होनी चाहिए।
- बहुत ही दुर्लभ अवसरों पर एक तीसरा और चौथा इंद्रधनुष भी हो सकता है।
- कुछ इंद्रधनुष में केवल एक रंग होता है और इसे 'मोनोक्रोम इंद्रधनुष' कहा जाता है।
- आकाश में यदि सूर्य कम ऊंचाई पर होता है तो इन्द्रधनुष ऊंचाई पर बनता है और यदि आकाश में सूर्य अधिक ऊंचाई पर होता है तो इन्द्रधनुष काफी नीचे बनता है। इंद्रधनुष ने प्राचीन मिथकों में योगदान दिया है। ग्रीक लोगों का मानना? था कि इंद्रधनुष ने स्वर्ग और पृथ्वी के बीच एक पुल प्रदान किया था।
- इंद्रधनुष रंगावली का क्रम लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, नीलिगो, बैंगनी है।

राशिफल

मेष : गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है। आप अच्छा पैसा कमा सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक रूप से निवेश करें।

वृष : आज का दिन अच्छा रहेगा। इस राशि के छात्रों को आज अच्छी खबर मिल सकती है। परिवार वालों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। घर में खुशियों का माहौल रहेगा।

मिथुन : यात्रा की स्थिति सुखद और लाभकारी रहेगी। काम के सिलसिले में जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। गुस्से पर पूरी तरह काबू रखें।

कर्क : कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों के दबाव और घर में दरार के कारण आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा।

सिंह : आज दिन नए उपहार लेकर आएगा। व्यापार में अचानक लाभ के योग बन रहे हैं। सहकर्मी मदद के लिए तैयार रहेंगे। पैसा कमाने का मौका मिले हाथ से न जाने दें

कन्या : आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है। आज ही कोई त्योहार मनाने के लिए तैयार हो जाइए। दोस्त और रिश्तेदार इकट्ठे होंगे और खूब मौज-मस्ती करेंगे।

तुला : मित्र आपका परिचय किसी खास व्यक्ति से कराएंगे, जिसका आपकी सोच पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। मजाक में कही गई बातों पर किसी पर शक करने से बचें।

वृश्चिक : दिन शानदार रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ सकता है। व्यवसाय में अपेक्षा से अधिक धन प्राप्त हो सकता है। आपको अपनी जरूरी बातों का ध्यान रखने की जरूरत है

धनु : सम्मान मिलेगा। हर चीज में ईमानदार रहें। पुराने दोस्तों और रिश्तेदारों से बात हो सकती है, अस्वस्थता संभव है। पति-पत्नी के संबंधों में मधुरता आएगी।

मकर : जीवनसाथी के साथ मूवी या रेस्टोरेंट में समय बिताने से सुकून मिलेगा और दिमाग तरोताजा रहेगा। अचानक पैसा आएगा, जो खर्च और बिल आदि का ध्यान रखेगा।

कुंभ : परिवार में किसी शुभ कार्य की रूपरेखा बन सकती है। व्यापार के अवसर सुखद यात्रा पर ले जा सकते हैं। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी।

मीन : किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं, अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। अधिक पाने की कोशिश में, खोने से भी बचें, खर्चा ज्यादा हो सकता है।

चुटकुले

दो दोस्त आपस में बात कर रहे थे...
टोलू- एक लॉजिक मैं आज तक समझ नहीं पाया।
पोलू- क्या?
टोलू- धीरे बोलो दीवारों के भी कान होते हैं। मान लो कान होते भी हैं तो जुबान तो नहीं होती ना... सुन भी लिया तो किसी को कैसे बताएंगे।

शराबी दोस्त- शराब से ज्यादा नुकसान तो पानी ने पहुंचाया है।
रवि- नहीं भाई, आप गलत कह रहे हैं, पानी हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।
शराबी- क्यों भाई साहब, क्या पिछले साल बाढ़ से हजारों लोग मरे नहीं थे?

मोटू को अपना पालतू कुत्ता बेचना था, पतलू उसे खरीदने वाला था।
पतलू- क्या यह कुत्ता वफादार है?
मोटू- हां, मैं इसको दो बार बेच चूका हूं, ये इतना वफादार है कि हर बार मेरे पास वापिस आ जाता है।

27 09 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

राहुल देव अभिनेता | साक्षी नारंग | कृष्णा प्रजापति | नेहा सिंघल | आरती
असगर हुसैन | आर्यन कौशिक | मोहित मित्तल | अजय पंडित | आकाश प्रधान
राम हरि गोयल | चंदन त्रिपाठी | राजेश पराशर | शदमान सलमानी | शुभम ठाकुर
अमित त्यागी | जुगल नागपाल | कपिल कुमार | सतीश रघुवंशी | विशु पाल
प्रेम सिंह | जुबैर चौधरी | सोरभ राज शर्मा | सचिन ठाकुर | अमित कुमार
अमित कुमार | सलभ तोमर | ऋतुराज चौहान | अंशु तोमर

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार) 8630290003 (विष्णु गुप्ता)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

आईएमएस गाजियाबाद में सम्पन्न हुआ 34वां दीक्षांत समारोह

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान रहे मुख्य अतिथि

गाजियाबाद करंट क्राइम। शुक्रवार को आईएमएस गाज़ियाबाद का 34वां दीक्षांत समारोह संस्थान परिसर में सम्पन्न हुआ। यह अवसर विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव होने के साथ-साथ उनके व्यावसायिक जीवन की नई यात्रा का आरम्भ भी रहा।

मुख्य अतिथि, भारत सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने संबोधन में स्नातकों को बधाई देते हुए कहा कि भारत का भविष्य युवाओं के हाथों से ही आकार लेता है। विकसित भारत 2047 की यात्रा में शिक्षा निर्णायक भूमिका निभाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 केवल सुधार नहीं, बल्कि एक शिक्षा-पुनर्जागरण है, जो मूलभूत सीख, बहुविषयी विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर बल देती है। उन्होंने कहा कि आज के युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और डिजिटल रूपांतरण जैसे क्षेत्रों की कौशल-क्षमताओं से युवाओं को सशक्त बनाना आवश्यक है। समान अवसर, क्षेत्रीय भाषाओं का समावेश, डिजिटल अवसंरचना और भारतीय ज्ञान परंपरा का आधुनिक पुनरुद्धार ही ऐसी शिक्षा का आधार है जो जड़ों से जुड़ी और भविष्यगामी है।

आईएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमैन नरेश अग्रवाल ने कहा कि संस्थान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप बहुविषयक शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता, अनुसंधान और भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईएमएस गाज़ियाबाद शीघ्र ही डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त कर और भी बड़ी भूमिका निभाएगा। इस वर्ष 2200 से अधिक विद्यार्थियों व अभ्यर्थियों की उपस्थिति रही और 359 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। मेधावी विद्यार्थियों में इतीशा मंग्लिक को स्वर्ण पदक के साथ प्रशस्ति पत्र और छात्रवृत्ति, काजल सिंह और राहुल भौमिक को रजत पदक के साथ प्रशस्ति पत्र और छात्रवृत्ति, तथा श्रेया श्रुति को कांस्य पदक के साथ प्रशस्ति पत्र और छात्रवृत्ति प्रदान की गई। विशेष पुरस्कारों में राहुल भौमिक को आउटस्टैंडिंग स्टूडेंट अवार्ड और अर्पण चक्रवर्ती को लीडरशिप एक्सीलेंस अवार्ड दिया गया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संजय अग्रवाल, सीए (डॉ.) राकेश चारिया, प्रमोद अग्रवाल, सुधीर शुक्ला, राजीव चौधरी, अपूर्व गोयल, विदुर चारिया और मयंक चौधरी की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। समारोह में अंत में डॉ. वैशाली अग्रवाल (डीन अकादमिक), डॉ. पुष्पेंद्र (परीक्षा नियंत्रक), डॉ. अमित भाटी (डीन छात्र कल्याण), डॉ. पंकज रावल (डीन अंतरराष्ट्रीय संबंध) सहित सभी संकाय सदस्य, कर्मचारी और अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और स्नातकों को शुभकामनाएँ दीं।

एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी में पूर्व आईएएस अधिकारी विमल कुमार शर्मा ने संभाला प्रो-चांसलर का पद

गाजियाबाद करंट क्राइम। एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गाजियाबाद में पूर्व आईएएस अधिकारी विमल कुमार शर्मा को प्रो-चांसलर नियुक्त किया गया है। शुक्रवार को आयोजित स्वागत समारोह में विश्वविद्यालय परिवार ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। श्री शर्मा 2005 बैच के आईएएस अधिकारी रहे हैं और राज्य व केंद्र सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दी हैं। अपने प्रशासनिक जीवन में उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर गाजियाबाद, अतिरिक्त निजी सचिव (कृषि मंत्री भारत सरकार), कार्यकारी निदेशक (नेफेड, नई दिल्ली) और विशेष सचिव (मनोरंजन एवं वाणिज्यिक कर विभाग, उत्तर प्रदेश) जैसे अहम पदों की जिम्मेदारी निभाई। वर्तमान में वे लर्नर्स इंटरनेशनल स्कूल के गवर्निंग बोर्ड के सदस्य भी हैं।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के चांसलर एवं सुन्दर दीप एजुकेशनल सोसाइटी के चेयरमैन महेन्द्र अग्रवाल ने विमल कुमार शर्मा का स्वागत किया। उनके साथ प्रो-चांसलर (प्रशासन) पीयूष श्रीवास्तव, कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रसांजीत कुमार तथा अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। समारोह में पीयूष श्रीवास्तव को भी प्रो-चांसलर (प्रशासन) की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई।

सिटी जोन में10 शातिर अपराधियों पर गुंडा एक्ट लगाया, डीसीपी सिटी ने लिया फैसला

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए गाजियाबाद पुलिस लगातार सख्त अभियान चला रही है। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त जे. रविन्दर गौड एवं पुलिस उपायुक्त नगर धवल जायसवाल के निदेर्शानुसार कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस ने 10 शातिर अपराधियों के विरुद्ध गुण्डा एक्ट के अन्तर्गत कार्रवाई की है। पुलिस का कहना है कि ये अपराधी लंबे समय से आपराधिक घटनाओं में सक्रिय थे और क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग कर रहे थे। अपराध

नियंत्रण के उद्देश्य से इनके विरुद्ध गुण्डा एक्ट की कार्यवाही की गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी ताकि अपराधियों में भय बना रहे और आम जनता सुरक्षित महसूस करे।

गिरफ्त में आए अपराधियों की सूची

1. प्रशनजीत पुत्र थाना सिहानी गेट, उम्र 24 वर्ष
2. दीपक थाना सिहानी गेट, उम्र 35 वर्ष
3. साहिल थाना नन्दग्राम, उम्र 26 वर्ष
4. रवि उर्फ विश्राम थाना नन्दग्राम, उम्र 35 वर्ष
5. हरेन्द्र कसाना थाना नन्दग्राम, उम्र 35 वर्ष
6. आदिल उर्फ जुबैर थाना विजयनगर, उम्र 24 वर्ष
7. शोएब थाना विजयनगर, उम्र 23 वर्ष
8. बबलू चौधरी उर्फ इसरार थाना विजयनगर, उम्र 48 वर्ष
9. हर्ष, थाना कविनगर, उम्र 18 वर्ष
10. अरुण थाना कविनगर, उम्र 30 वर्ष

पार्षद मदन राय ने किया सड़क का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। राधेश्याम पार्क वार्ड 86 में पार्षद मदन राय ने टाइल्स सड़क का उद्घाटन किया। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख लोग उपस्थित थे, जिनमें जयवीर चौधरी, सुभाष शर्मा दीनदयाल शर्मा लाल सिंह यादव , चंद्राबिल इंद्रपाल शेखर चौधरी शामिल थे।

उद्घाटन समारोह में पार्षद मदन राय ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता है और वे क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए वे हमेशा तैयार हैं।

लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पार्षद मदन राय को बधाई दी और उनके प्रयासों की सराहना की।

पार्षद मदन राय ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए उनकी प्राथमिकता है और वे क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए वे हमेशा तैयार हैं।

वसुंधरा प्राचीन हनुमान मंदिर से धूमधाम के साथ निकली राम बारात, लोगों ने पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। प्राचीन संकट मोचन श्री हनुमान मंदिर धार्मिक रामलीला समिति द्वारा आयोजित श्री रामलीला के सातवें दिन शुक्रवार को भव्य राम बारात यात्रा निकाली गई। इस यात्रा ने पूरे क्षेत्र को धार्मिक उत्सव के रंग में रंग दिया। राम बारात का शुभारंभ प्राचीन हनुमान मंदिर, सेक्टर-16 से हुआ और शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रामलीला स्थल सेक्टर-7 तक पहुँची। बारात में आकर्षक झाँकियाँ, सुसज्जित रथ, घोड़े, बैंड-बाजे और भक्तिरस से भरे झूमते-गाते श्रद्धालुओं की सहभागिता ने वातावरण को दिव्य बना दिया। मार्गभर स्थानीय निवासियों ने जगह-जगह पुष्पवृष्टि कर बारात का स्वागत किया।

रामलीला मैदान पहुँचने के पश्चात राजा जनक द्वारा कन्या दान का भावपूर्ण मंचन किया गया। श्रीराम और सीता के विवाह के इस प्रसंग ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया और पूरा पंडाल जय श्रीराम के गगनभेदी नारों से गूंज उठा।

समिति के चेयरमैन नरेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि राम बारात जैसे आयोजन हमारी संस्कृति और परंपरा को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम हैं। इस आयोजन को भव्य बनाने में समिति पदाधिकारियों और स्थानीय नागरिकों का सक्रिय सहयोग सराहनीय रहा। शनिवार आठवें दिन कैकयी-मंथरा संवाद, कोप भवन और दशरथ-कैकयी संवाद जैसे भावपूर्ण प्रसंगों का मंचन होगा। इस अवसर पर महेश भारद्वाज, सुशील उपाध्याय, बीना सेंगर, मनोज भारद्वाज, इंद्रपाल प्रधान, मनीष भारद्वाज, बृजमोहन मिश्रा, मोहन सिंह राणा, संजीव भारद्वाज, अश्विनी कौशिक, मीडिया प्रभारी अमित किशोर, नितिन यादव सुरेन्द्र भारद्वाज, गिरीश शर्मा, पंचम चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा को लेकर उजागर फाउंडेशन की याचिका को हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान में

गाजियाबाद करंट क्राइम। सामाजिक संगठन उजागर फाउंडेशन की की ओर से सड़क दुर्घटनाओं को लेकर हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है जिसे हाईकोर्ट ने संज्ञान में लिया है। याचिकाकर्ता उजागर फाउंडेशन की शिवानी जैन ने प्रति वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली 23 से 25 हजार मौतें होती है। मुख्यमंत्री के आदेशों को वास्तविकता से अवगत कराने के लिए उजागर फाउंडेशन ने साक्षयों के साथ शिकायत की किन्तु कोई प्रभावी कार्यवाही न होने पर उजागर फाउंडेशन ने उच्च न्यायलय प्रयागराज में जनहित याचिका दाखिल की।विषय की गंभीरता को समझते हुए न्यायलय ने सरकार को नोटिस जारी कर सरकार का पक्ष जाना।जिस पर अपर परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन) संजय सिंह ने सरकार के पक्ष में जिन शासनादेशो को संलग्न किया है। फाउंडेशन के महासचिव सचिन सोनी ने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में कुल 10,104 वाहनों के खिलाफ कार्यवाही की गई।जिनमें कुल 3,173 वाहनों को थाने में निरुद्ध किया गया। जबकि फाउंडेशन के महासचिव सचिन सोनी का कहना है की न्यायलय में प्रस्तुत रिपोर्ट पर ही अगर परिवहन विभाग निपक्ष कार्यवाही करता तो ना सरकार को बार-बार कटघरे में खड़ा होना पड़ता ओर ना ही उजागर फाउंडेशन को जनहित याचिका प्रस्तुत करनी पड़ती। याचिका कर्ता शिवानी जैन ने कहा की इन सभी तथ्यों को आगामी सुनवाई 3 नवंबर 2025 को होगी।

एमएलसी स्नातक सीट के लिए कांग्रेस में आवेदन मांगने की प्रक्रिया शुरू, पहले दिन 12 लोगों ने किया आवेदन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के स्नातक सदस्य के चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से 12 लोगों ने टिकट की मांग की है। इनमें तीन गाजियाबाद से और बाकी 9 अन्य जिलों के कार्यकर्ता शामिल है।

इन कार्यकताओं ने कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा डासना को अपना बायोडाटा दिया है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि अभी एमएलसी चुनाव के लिए दावेदारों की संख्या और भी बढ़ सकती है।

कांग्रेस जिला कमेटी कार्यालय में आयोजित वार्ता में एमएलसी प्रत्याशी रहे वरिष्ठ नेता जेके गौड ने टिकट दावेदारों को उनके अनुभव से परिचित कराया जेके गॉड ने कहा कि एमएलसी चुनाव के लिए अधिक से अधिक वोट बनाने की आवश्यकता है। जितनी ज्यादा संख्या में वोट बनेंगे जीत की संभावनाएं उतनी अधिक होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि वोट डलवाने पर भी फोकस होना चाहिए। जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि चुनाव में वही वोट डाल सकते हैं जो 2022 में ग्रेजुएशन कर चुके हैं। उन्हीं की वोट बनाई जाएगी। इसके बाद जिन्होंने ग्रेजुएशन की है उनके वोट अभी नहीं बनेंगे और आवेदन भी वही लोग कर सकेंगे।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के लिए निकट भविष्य में होने वाले चुनाव के लिए स्नातक सीट से गुरुवार पहले दिन 12 लोगों ने कांग्रेस से टिकट मांगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि चुनाव में अभी काफी समय है। चुनाव लड़ने के इच्छुक सभी दावेदारों और पार्टीजनों को आसपास में तालमेल बनाकर, एकजुट होकर जीत के लिए अभी से सक्रिय हो जाना चाहिए। इस चुनाव में जीत तभी संभव है, जब पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता अधिक से अधिक वोट बनवाने के बाद मतदान के दिन अधिक से अधिक मतदाताओं के वोट डलवाने पर फोकस करें।

जिला कांग्रेस कार्यालय में हुई पार्टी बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा ने बताया कि आज पहले दिन स्नातक सीट से चुनाव लड़ने के लिए पहले दिन कुल 12 लोगों ने कांग्रेस से टिकट के लिए आवेदन किया है। इनमें 03 गाजियाबाद जनपद से और शेष 09 अन्य जिलों से दावेदार हैं।

बैठक में पार्टी नेताओं और कार्यकताओं को वोट बनवाने हेतु करीब डेढ़ लाख फॉर्म वितरित किए गए। साथ ही विस्तार से प्रक्रिया समझाई गई।

पार्टी कोषाध्यक्ष अश्विनी त्यागी के संचालन में हुई बैठक में स्नातक सीट से पूर्व प्रत्याशी जे. के. गौड़, पूर्व जिलाध्यक्ष विनीत त्यागी, कोऑर्डिनेटर पंडित राजकुमार शर्मा, आर टी आई जिला चेयरमैन लज्जा यादव, विधि प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मनोज कुमार राय विनोद शर्मा, उद्योग व्यापार मंडल जिला चेयरमैन सुशील शर्मा आदि ने चुनाव में जीत के लिए रणनीति साझा करते हुए ज्यादा से ज्यादा फॉर्म भरकर वोट बनवाने और मतदान के दिन वोट डलवाने पर जोर दिया।

बैठक में जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा ने मेजर बाबू खान को पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ का जिला चेयरमैन मनोनयन पत्र प्रदान किया।

नगर निगम की कार्यकारिणी के लिए निर्विरोध चुने गए पार्षद एवं कांग्रेस नेता अजय शर्मा का जिलाध्यक्ष श्री शर्मा ने कार्यालय पर जोरदार स्वागत किया गया । पार्टी का पटका एवं माला पहनाकर स्वागत किया।

इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी जीके गोड , पूर्व जिला अध्यक्ष विनीत त्यागी, पूर्व महानगर अध्यक्ष मनोज कौशिक, विक्रांत त्यागी, गौरव त्यागी, सुनील शर्मा, हरि ओम गुप्ता, पंडित सुरेश शर्मा दौसा, कपिल तोमर, आशा ठाकुर, मंजू शर्मा, ममता सिंह, बबलू शर्मा, अनबार कुरैशी, नजमुद्दीन, हबीब, उज्वल गर्ग, उदय सिंह पाल, आशुतोष गुप्ता, हरपाल जी, वली हसन, कदम खान, चतर सिंह जाटव, विजेंद्र शर्मा, ब्रिज कांत शर्मा, संजीव कुमार सिंह, वीरेंद्र ठाकुर, विजय सिंह तोमर, जय वीर सिंह, राज कुमार शर्मा, समीर खान , राजेश गुप्ता, सलमान मंसूरी, अली मोहम्मद, आफताफ, मुस्तफा अली, राजीव शर्मा, महबूब खान आदि अनेक कार्यकर्ता व नेता मौजूद रहे।

कौशांबी में स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वार्ड 72 कौशांबी में स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पार्षद कुसुम गोयल और पूर्व पार्षद डॉ मनोज गोयल के नेतृत्व में क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने स्वच्छता के लिए एक घंटे का श्रमदान किया। कौशांबी सेंट्रल पार्क से शुरू कर श्रीराम चौक तक महा सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सफाई नायक विनोद कुमार और सुमित द्वारा केक काटकर प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को मनाया गया। पार्षद और क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों ने सफाई कर्मचारियों का स्वागत फूल माला पहनाकर किया और उनको फल भी बाँटे गए। इस अवसर पर समाजसेवी लक्ष्मीकांत चनाना, शिक्षाविद उर्मिला अरोड़ा और अन्य प्रमुख लोगों ने अपने क्षेत्र को स्वस्थ बनाने के तरीकों के बारे में लोगों को बताया। सभी लोगों ने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों के लिए पार्षद की प्रशंसा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे, जिनमें समाजसेवी दीपक गुप्ता, राज शर्मा, भाजपा नेता मुकुल गुप्ता और अन्य प्रमुख लोग शामिल थे।

हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी का संकल्प आत्मनिर्भर भारत की नींव है : राजा वर्मा

रामपुर करंट क्राइम। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय, जिला रामपुर में गुरुवार को आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जनपद प्रभारी एवं भाजपा किसान मोर्चा उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष राजा वर्मा ने की।

राजा वर्मा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत का सपना अब साकार रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि आज समय की सबसे बड़ी जरूरत है कि हम सब मिलकर हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी के संकल्प को पूरा करें। जब तक हम अपने स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता नहीं देंगे और स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग नहीं करेंगे, तब तक आत्मनिर्भर भारत का निर्माण अधूरा रहेगा।

उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे इस अभियान को घर-घर तक पहुँचाने में जुट जाएँ और आमजन को स्वदेशी वस्तुओं के महत्व से अवगत कराएँ। वर्मा ने कहा कि यह केवल आर्थिक स्वावलंबन की बात नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और परंपरा से भी जुड़ा हुआ है।

बैठक में उपस्थित कार्यकताओं ने भी यह संकल्प लिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाएँगे। इस अवसर पर जिले के प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

रामलीला मैदान गोल पार्क में लक्ष्मण-परशुराम संवाद और धनुष यज्ञ का भव्य मंचन

गाजियाबाद करंट क्राइम। रामलीला मैदान गोल पार्क में शुक्रवार की रात लक्ष्मण-परशुराम संवाद एवं धनुष यज्ञ की आकर्षक लीला का मंचन किया गया। आदर्श बृजवासी विप्र रामलीला एवं कृष्ण लीला मंडल, मथुरा के कलाकारों ने अपने अभिनय से उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

रामजी की भूमिका अभिषेक शर्मा ने निभाई, जबकि लक्ष्मण के रूप में यश शर्मा, रावण के रूप में भीम सिंह और जनक जी के रूप में शिवचरन गौतम मंच पर नजर आए। परशुराम की भूमिका पंडित मनोज शर्मा ने जीवंत कर दी। वहीं, मनोज पंडित, कन्हैया गोस्वामी, आरती गहलोत, मनीषा भारती और नेहा ने भी विभिन्न पात्रों का अभिनय कर दर्शकों का मन मोह लिया।

धनुष यज्ञ के दौरान पूरे मैदान में हजारों की संख्या में रामभक्त मौजूद रहे और जय श्रीराम के उद्घोष से वातावरण गूंज उठा। रामलीला के साथ ही मेले में छोटे-बड़े झूले, बच्चों के लिए नाव और रेलगाड़ी, ऊंट की सवारी, चाँद-तारा झूला तथा चटपटे व्यंजनों के स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र बने रहे।

कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य संयोजक एस.पी. सिंह, अध्यक्ष रमाकांत पांडे, महामंत्री रामजी झा, सत्येंद्र परिहार, राकेश सूद, सुरेंद्र भारती, के.के. दुबे, धर्मेंद्र दुबे, राजेश शर्मा, संरक्षक कुसुम सिंह सहित सोनू मिश्रा, चंदन झा, भूपेंद्र मेहता, ललित मिश्रा, संजय सिंह, गंगा सिंह, नादिर अली, अजय कुमार, दिलीप गुप्ता और कन्हैया जी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एकेजी इंजीनियरिंग कॉलेज में दो दिवसीय द्विभाषी वीएलएसआई कार्यशाला का आयोजन

गाजियाबाद करंट क्राइम। एन.एच. -24 स्थित अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज के कैंपस में शुक्रवार को ईसीई विभाग की ओर से में दो दिवसीय द्विभाषी वीएलएसआई कार्यशाला का का आयोजन किया गया।

हिंदी में आयोजित इस कार्यशाला ने वीएलएसआई डिजाइन और सेमीकंडक्टर तकनीकों की अहम भूमिका को रेखांकित किया गया। विशिष्ट अतिथि प्रो. (डा.) अमिता देव (सलाहकार, ए.के.जी.ई.सी.) ने शिरकत की। कार्यक्रम का स्वागत भाषण प्रो. (डा.) नीलश कुमार गुप्ता, विभागाध्यक्ष (ईसीई विभाग) एवं कार्यशाला के संयोजक ने दिया।

इस अवसर पर कई विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए, जिनमें प्रीत यादव (एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स), डा. अंबिका प्रसाद (आईआईटी जम्मू), और प्रो. नीता पांडे (दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) शामिल थे। विशेषज्ञों ने बदलते हुए सेमीकंडक्टर परिदृश्य, वर्तमान शोध चुनौतियों और उद्योग-अकादमिक सहयोग पर अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। कार्यशाला का सह-संयोजन प्रो. हिमानी गर्ग द्वारा किया गया।

गाजियाबाद में दिखेगी मिनी पश्चिम बंगाल की झलक

इंदिरापुरम, वैशाली, वसुंधरा और साहिबाबाद के पंडालों में मनेगा दुर्गा उत्सव

गौरव शशि नारायण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नवरात्र की शुरूआत होते ही गाज़ियाबाद का माहौल बंगाल की संस्कृति और भक्ति से सराबोर हो गया है। सप्तमी से लेकर दशहरे तक इंदिरापुरम, वैशाली, वसुंधरा, क्रॉसिंग रिपब्लिक, सेक्टर-23 और साहिबाबाद के इलाके मिनी कोलकाता की तरह सजेंगे। यहां दुर्गा पूजा पंडालों को अलग-अलग थीम और कला के जरिए खास अंदाज में तैयार किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल से आए कलाकार तैयार करते हैं इको फ्रेंडली पंडाल

करंट क्राइम। कई पंडाल इको-फ्रेंडली बनाए जा रहे हैं। मूर्तियों और सजावट के लिए विशेष मिट्टी कोलकाता से मंगाई गई है और कलाकार भी पश्चिम बंगाल से ही बुलाए गए हैं। कहीं बांस और घास से परंपरागत अंदाज में पंडाल बनाए जा रहे हैं, तो कहीं आधुनिक लाइटिंग और कलाकृतियों से आकर्षक रूप दिया जा रहा है।

इंदिरापुरम में 25 साल से सजता है दरबार

करंट क्राइम। इंदिरापुरम में प्रांतिक कल्चरल सोसायटी, शिप्रा सन सिटी में बोंगोटोरू समिति लगातार 25 वर्षों से दुर्गा पूजा का आयोजन कर रही है। इस बार समिति ने स्वपनर 25 (सपनों की दुनिया) थीम रखी है। श्रद्धालुओं को पंडाल में प्रवेश करते ही सपनों जैसी अनुभूति होगी। मीडिया प्रभारी डॉ. अरुणिमा सिंघल ने बताया कि इस वर्ष सिल्वर जुबली कार्यक्रम के तहत आनंद मेला, फूड प्रतियोगिता और डांडिया नाइट का भी आयोजन होगा।

साहिबाबाद में दिया जाएगा नारी शक्ति का संदेश

करंट क्राइम। साहिबाबाद क्षेत्र में इस बार दुर्गा पूजा सिर्फ आस्था तक सीमित नहीं है बल्कि नारी सशक्तिकरण का प्रतीक भी बन रही है। कई पंडालों में महिलाएं मुख्य पुजारी होंगी और आयोजन की पूरी जिम्मेदारी संभालेंगी। राजेंद्र नगर-2 स्थित अनन्या नारी दुर्गा पूजा समिति महिलाओं द्वारा संचालित है। यहां ढाक, ताल, स्टेज से लेकर पूजा की हर जिम्मेदारी महिलाओं ने उठाई है। भोग वितरण की शुरूआत नेत्रहीन विद्यालय से होगी, जिससे यह उत्सव सामाजिक जागरूकता का भी संदेश देगा।

शालीमार गार्डन में महिला सजाती हैं दरबार और बनती हैं पकवान

करंट क्राइम। शालीमार गार्डन एक्ट-2 में पहली बार पूजा हो रही है। यहां महिलाएं मां दुर्गा का श्रृंगार और भोग का विशेष आयोजन करेंगी। खास बात यह है कि षष्ठी से नवमी तक भोग में व्यंजनों की संख्या प्रतिदिन बढ़ती जाएगी झ 6 से लेकर 9 तक।

मोहनजोदड़ो की थीम भी की जा रही है प्रदर्शित

करंट क्राइम। ट्रांस हिंडन में अलग-अलग दुर्गा पूजा आयोजित की जाती हैं। जहां मोहनजोदड़ो थीम पर आधारित पंडाल, महिलाओं द्वारा तैयार किया गया श्रृंगार और भोग, बंगाली व्यंजन झ मोटर दलेर बोरा, गायना बोरी, पंता भात जैसी डिशेज भक्तों को परोसी जाएंगी। डांडिया नाइट और फूड प्रतियोगिताएं आयोजन को और रंगीन बनाएंगी। इस बार गाजियाबाद के दुर्गा पूजा पंडाल केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संस्कृति, रचनात्मकता और सामाजिक संदेश का अद्भुत संगम पेश कर रहे हैं।

एसीपी नंदग्राम ने पिंक बूथ महिला टीम के साथ दबोचा ई रिक्शा चोरों का गैंग

मिशन शक्ति के तहत फिर महिला ब्रिगेड आई नजर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला ब्रिगेड ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। नंदग्राम पिंक बूथ और थाना नंदग्राम पुलिस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 04 शातिर ई-रिक्शा चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 07 चोरी की ई-रिक्शा बरामद की हैं।

एसीपी नंदग्राम उपासना पांडे ने जानकारी दी है कि थाना नंदग्राम क्षेत्र से ई-रिक्शा चोरी की घटना की शिकायत दर्ज हुई थी। पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए 26 सितम्बर को जनपद गाजियाबाद एक्सटेंशन इलाके से 04 संदिग्ध युवकों को धर दबोचा। पूछताछ में उन्होंने ई-रिक्शा चोरी करने की बात स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर 05 अन्य चोरी की ई-रिक्शा भी बरामद की गईं।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान सोहित, मथनु, कमल और विष्णु उर्फ विशु (सभी गाजियाबाद व आसपास के जिलों के निवासी) के रूप में हुई है। आरोपियों ने कबूल किया कि वे शौक और खर्च पूरे करने के लिए ई-रिक्शा चोरी करते थे और बाद में उन्हें बेच देते थे।

महिला एसीपी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय चोर गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर आगे की जांच में जुटी है।

पौधे फॉरेस्ट वाले लगायें या सीवर वाले मगर फूल खिलेंगे विधायक जी वाले

विधायक जी का जलवा ऐसा है कि टीआरपी वाले सबसे बड़े फेस बन गये हैं। संगठन की कमान संभाली तो वहां छा गये और अब जनप्रतिनिधि बने हैं तो यहां छाये हुए हैं। किस्सा लाईन के उस पार से है और किस्से में सरकार के पौधे हैं और पौधों में भगवा कमांडर हैं। देवतुल्य ने कहा कि बात ऐसी है कि पौधे भले ही वन विभाग वाले ले आयें या पौधे आकर नाली खडंजे वाले लगा दें। मगर दो साल बाद आप देख लेना इस पर जो फूल खिलेंगे वो विधायक जी की टीआरपी के खिलेंगे। उन्होंने अभी से तय कर दिया है कि वन भी हमारा है और फूल भी हमारे हैं। क्योंकि ये कन्सेप्ट हमारा है और जब कभी दस्तावेज जांचे जायेंगे तो प्रस्ताव वाले पत्रों में दिल्ली से लखनऊ तक हम ही नजर आयेंगे। केवल जमीन खाली कराना ही हमारा मकसद नहीं है। हमें तो अभी और फूल खिलाने हैं।

अगर सरकार ना होती तो इन फूल वालों का क्या हाल होता

सरकार आते ही फूल वालों ने हूल दी अब हमारी चलेगी। मगर उन्हें क्या पता था कि इससे अच्छी तो तुम्हारी सपा और बसपा में चल रही थी। अब तो देवतुल्य बिल्कुल भी नहीं चलेगी। कॉलेज से लेकर सभागार तक इस बात के गवाह बने कि देवतुल्य हाहाकार करते रह गये कि हम पर अत्याचार हो रहा है। सरकार के मंत्री ने कहा कि विभाग ने मुझे बदनाम करने की सुपारी ले ली है। सरकार के विधायक ने लैटर लिखा और पांच बार लिखा। मगर मैटर वो का वो ही रहा। सरकार के पार्षद धरने पर बैठ गये और बस में सवार होकर लखनऊ में इस दरवाजे से उस दरवाजे ते फिरे। सरकार के पूर्व पार्षदों ने कवि नगर में मार्च निकाला और नारे लगाये। जब मुख्य मंत्री आये तो ये भी कमाल हो गया कि सरकार के पार्षद अपने मुख्यमंत्री के आने पर अपने ही घरों में नजरबंद कर दिये गये। किस्से तो कई हैं और इन किस्सों में पूर्व जीडीए बोर्ड सदस्य ने खुद को शामिल किया। बताया कि जब पद पर था तो जीडीए वाली मैडम ने मान सम्मान किया था और जब पद से हट गये तो प्रशासन वाले बड़े अधिकारी ने कह दिया था कि रस्सी जल गई बल नहीं गये। उन्होंने अपना दर्द इन शब्दों में बयान किया कि वो तो शुक्र है कि हमारी सरकार है और लगातार सरकार है। हम तो सोच रहे हैं कि जब सरकार में इतना मान सम्मान हो रहा है तो सोचो सरकार ना होती तो हमारा क्या हाल होता।

सुनो मियां आजम ये हाथी वाले महावत किसी के भी नखरे नहीं उठाते हैं

एक दौर था जब रामपुर वालों को मनाने खुद मुख्यमंत्री जाते थे। अगर उन्होंने किसी मामले में वीटो लगा दी तो मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव तो छोड़ो खुद मुख्यमंत्री पीछे हट जाते थे। उनका तंज जमाने में मशहूर था मगर उन्हें भी ये रंज रहेगा कि जब सीन जेल वाला हुआ तो कोई समाजवादी मिलने नहीं पहुंचा। उनकी रिहाई को लेकर आंदोलन नहीं हुआ। खैर वो बाहर निकले तो उन्होंने फिर से तंजिया लहजे में कह दिया कि हो सकता है नंबर भूल गये हों। मगर जो बात उनके बसपा में आने की चर्चा पर जय भीम वालों ने कही वो सुनने लायक थी। उन्होंने कहा बाकी सब तो ठीक है लेकिन रामपुर वाले इस बात का ध्यान रखें कि ये नीला हाथी है और इसे नखरे उठाने की आदत नहीं है। यहां तो कौन से महावत को कब हाथी गेटआउट कह दे इसका पता नहीं चलता है। इसलिए मियां इस बात का ध्यान रखना कि यहां आ तो रहे हो मगर नखरे बाहर छोड़ आना।

मिशन शक्ति केंद्रों को लेकर एडीशनल सीपी ने की समीक्षा बैठक

शासनादेश के तहत त्वरित कार्रवाई के निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत महिला सुरक्षा को लेकर शुक्रवार को एडिशनल सीपी मुख्यालय/अपराध केशव कुमार चौधरी की अध्यक्षता में मिशन शक्ति केंद्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में तीनों जोनों के एसीपी, एडीसीपी क्राइम एवं महिला अपराध शाखा के अधिकारी मौजूद रहे। एडीशनल सीपी केशव कुमार चौधरी ने कहा है कि महिला सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मिशन शक्ति केंद्रों को मानक संचालन प्रक्रिया के तहत तुरंत प्रभाव से सक्रिय किया जाए ताकि पीड़िताओं को त्वरित न्याय और भरोसे का माहौल मिल सके। उन्होंने मिशन शक्ति केंद्र प्रभारियों और स्टाफ को एसओपी की प्रतियां वितरित कर उसका कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही, कर्मियों को प्रशिक्षण देकर दक्षता बढ़ाने की बात भी कही ताकि महिला अपराधों पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

नगर निगम सदन में पारित हुआ प्रधानमंत्री को धन्यवाद प्रस्ताव

मेयर व सदन ने दरों में कटौती पर जताया आभार

गाजियाबाद ,करंट क्राइम। देशभर में जीएसटी दरों में की गई ऐतिहासिक कटौती पर गाजियाबाद नगर निगम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया है। यह प्रस्ताव नगर निगम की हाल ही में संपन्न सदन बैठक में महापौर सुनीता दयाल द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर प्रधानमंत्री के निर्णय का स्वागत किया गया।

सदन की बैठक में महापौर ने कहा कि देश के आम नागरिकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जीएसटी दरों में की गई, यह कमी जनता को आर्थिक राहत प्रदान करेगी और उनके खर्च को नियंत्रित करने में मदद करेगी। इससे विशेषकर मध्यमवर्गीय और निम्न आय वर्ग को सीधा लाभ पहुंचेगा।

महापौर सुनीता दयाल ने कहा

प्रधानमंत्री ने आम आदमी के सपनों को साकार करने की दिशा में जो कदम उठाया है, वह अत्यंत सराहनीय है। जीएसटी दरों में की गई कटौती से न केवल आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि जनता का विश्वास भी और मजबूत होगा।

गाजियाबाद नगर निगम की ओर से मैं सदन के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने इस धन्यवाद प्रस्ताव को एक स्वर से पारित किया।

प्रदेश संगठन के निदेर्शों के अनुरूप यह प्रस्ताव देश के विभिन्न नगर निकायों में पारित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत गाजियाबाद नगर निगम भी अग्रणी रहा। सदन में उपस्थित सभी पार्षदों ने दोनों हाथ उठाकर और ध्वनि मत से प्रस्ताव को समर्थन दिया।

मुख्य बिंदु :

- दरों में भारी कटौती पर प्रधानमंत्री को धन्यवाद प्रस्ताव।
- गाजियाबाद नगर निगम की 24 सितंबर को हुई सदन बैठक में पारित।
- महापौर सुनीता दयाल ने प्रस्ताव रखा, सभी सदस्यों ने किया समर्थन।
- प्रस्ताव का उद्देश्य : आम जनता को राहत और आर्थिक मजबूती देना।

कंपोजिट विद्यालय सुल्तानपुर में छात्रा बनीं एक दिन की प्रधानाध्यापक

गाजियाबाद करंट क्राइम। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय सुल्तानपुर में आज एक विशेष पहल के तहत कक्षा-8 की छात्रा तनु को एक दिन की प्रधानाध्यापक बनाया गया। तनु ने विद्यालय के लिए एक दिन की योजना तैयार कर विभिन्न कार्यों का संचालन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। साथ ही स्वच्छता पखवाड़ा के तहत समस्त स्टाफ और बच्चों ने विद्यालय प्रांगण व कार्यालय में स्वच्छता अभियान चलाकर योगदान दिया। इस अवसर पर मनोरमा, गीता, रिचा, अंजू, देवेंद्र सिंह, प्रमोद कुमार सहित समस्त स्टाफ और विद्यार्थियों ने सक्रिय सहयोग किया। इंचार्ज प्रधानाध्यापक देवेंद्र कुमार ने बच्चों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। साथ ही उन्होंने समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

तुलसी निकेतन योजना का पुनर्विकास

एनबीसीसी ने जीडीए उपाध्यक्ष को सौंपा प्रस्तुतिकरण

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की उपाध्यक्ष अतुल वत्स की अध्यक्षता में शुक्रवार को तुलसी निकेतन योजना के भवनों के पुनर्विकास को लेकर एनबीसीसी (नेशनल बिल्डिंग्स कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन) के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में एनबीसीसी अधिकारियों ने री-डेवलपमेंट प्लान का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया।

अधिकारियों ने बताया कि परियोजना दो चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में प्री-फिजिबिलिटी स्टडी की जाएगी, जिसकी रिपोर्ट आठ सप्ताह में जीडीए को सौंपी जाएगी। इसके बाद दूसरे चरण में डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) पेश की जाएगी। प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट के आधार पर यदि एमओयू की शर्तों में बदलाव की आवश्यकता होगी तो संशोधन करते हुए परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा। आगामी सप्ताह में जीडीए और एनबीसीसी के बीच एमओयू साइन होने की संभावना है।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने स्पष्ट किया कि योजना का उद्देश्य राजस्व अर्जित करना नहीं है और न ही किसी परिवार को विस्थापित करना है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के उस विजन पर आधारित है, जिसके तहत योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक पहुंचाना है।

तुलसी निकेतन योजना वर्ष 1990 में बसाई गई थी। यहाँ 2292 फ्लैट और 60 दुकानें हैं, जिनमें करीब 20 हजार लोग रहते हैं। जीडीए द्वारा कराए गए सर्वेक्षण में इन भवनों को असुरक्षित घोषित किया गया है। अब प्राधिकरण पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर 16 एकड़ क्षेत्र में नई बहुमंजिला इमारतें बनवाकर निवासियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवास उपलब्ध कराएगा।

योजना में पहले 2004 ईडब्ल्यूएस और 288 एलआईजी मकान शामिल थे, जिन्हें अब पुनर्विकास कर बेहतर और सुरक्षित आवासीय ढांचा दिया जाएगा।

यूपीआईटीएस में उपेंद्र गोयल ने रखीं एमएसएमई इकाइयों की समस्याएं

ग्रेटर नोएडा, करंट क्राइम। ग्रेटर नोएडा एक्सपो मार्ट में चल रहे यूपीआईटीएस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश उद्यमी विकास संघ अध्यक्ष उपेंद्र गोयल ने मंच से कहा कि एमएसएमई क्षेत्र ही बेरोजगारी जैसी सबसे बड़ी समस्या का समाधान कर सकता है। देश की 6 करोड़ एमएसएमई इकाइयाँ श्रमिकों की भारी कमी से जूझ रही हैं और यदि इस क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दी जाए तो 25-30 करोड़ रोजगार तुरंत उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

गोयल ने सरकार से मांग की कि एमएसएमई को वृहद उद्योगों से अलग पहचान दी जाए और उनके लिए अलग बैंकिंग रिकवरी कानून तथा रुग्ण इकाई पुनर्वासन नीति बनाई जाए। साथ ही यूपीसीडा की कार्यप्रणाली को सुधारने के लिए उद्यमियों से संवाद करने वाली समिति गठित करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी और प्रदेश एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने सरकार की योजनाओं और आगामी नीतियों की जानकारी साझा की।

मिशन शक्ति में 23 बैच क्यों चल रहा है 'आउट'

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में इन दिनों महिला मिशन शक्ति का अभियान चल रहा है। कभी हाफ एनकाउंटर हो रहा है, तो कभी पुलिस की महिलाकर्मी शेरनी बनाकर सड़क पर नजर आ रही हैं। पर इन सब के बीच सवाल हो रहा है कि 23 बैच वाली महिला उप निरीक्षक इस बड़े अभियान से दूर क्यों हैं। उनके द्वारा कोई संदेश नहीं दिया जा रहा है, ना वह लाइमलाइट में कहीं नजर आ रही हैं। देहात के कई पिंक बूथ पर 23 बैच वालों का राज है। इसके बावजूद भी वह फिल्म से आउट चल रही हैं। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्रों में इस बात की भी चर्चा हो रही है कि महिला अभियान को चलने का पूरा कार्यभार महिला एसीपी स्तर की अधिकारी संभाल रही हैं। तो 23 बैच वालों पर ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है। उधर सुनने में आ रहा है कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में सिटी का एक थाना ऐसा है, जहां आजकल 23 बैच वालों की अनदेखी की खबरें थाने से लेकर उनकी चौकियों में जमकर गूंज रही हैं। नए वाले कोतवाल से तालमेल थोड़ा बिगड़ा बिगड़ा सा होने की भी जानकारी मिली है। पर मामला अभी शांत चल रहा है। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में जिस तरीके से सिटी जोन में आने वाले महिला थाने और फिर पिंक बूथ द्वारा बदमाशों पर कार्रवाई की गई है, उसके बाद अब उम्मीद की जा रही है कि देहात और नदिया पार में भी इस तरीके का नजारा देखने को मिल सकता है। फिलहाल सिटी वालों ने पहले बाजी मारने का काम किया है। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्रों में इन दिनों जमकर चर्चा हो रही है कि नवरात्र और दशहरे के बाद पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में तबादलों के साथ कुछ बड़े फेरबदल हो सकते हैं। यह फेरबदल किसके स्तर पर होंगे। किसको कमान सौंपी जाएगी और किसको साइड लाइन वाला रास्ता दिखाया जाएगा, इसकी भी कानाफूसी इन दिनों जमकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में सुनाई दे रही है। उधर चर्चा इस बात की है कि जिस तरीके से इन दिनों महिला सशक्तिकरण का प्रदर्शन चल रहा है, उससे कई पुरुष पुलिसकर्मियों की बेचैनी बढ़ी हुई है।

श्री रामलीला समिति राजनगर में सूर्पनखा की नाक काटने और रावण द्वारा सीता हरण का भावपूर्ण मंचन

गाजियाबाद करंट क्राइम। श्री रामलीला समिति राजनगर की ओर से आयोजित रामलीला में मंचन के दौरान श्री राम अपने छोटे भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता के साथ वन-वन विचरण कर रहे हैं। वन में वह खरदूषण से युद्ध के दौरान अपनी मायावी शक्ति से एक साथ हजारों राक्षसों का वध करते हैं। दूसरी ओर रावण की बहन सूर्पनखा की नाक लक्ष्मण जी के द्वारा काटने के बाद रावण के द्वारा सीता हरण, आदि प्रसंगों की प्रस्तुति की गई। रामलीला मंचन के दौरान श्री राम माता सीता एवं लक्ष्मण के साथ वन - वन विचरण कर रहे हैं। वन में रहने वाले तमाम राक्षस श्री राम के हाथों मरकर अपनी मुक्ति चाहते हैं। इसलिए वह राम को युद्ध के लिए ललकारते हैं। तब राम अपनी मायावी शक्ति को प्रयोग करके एक ही बाण से एक साथ हजारों राक्षसों का वध करते हैं। रावण की बहन सूर्पनखा वन में लक्ष्मण से हास - परिहास करती है, जिससे लक्ष्मण जी को गुस्सा आ जाता हैं और वह सूर्पनखा की नाक काट लेते हैं। अपमानित होकर सूर्पनखा अपनी बात छुपा कर अपने भाई रावण को जाकर लक्ष्मण के खिलाफ शिकायत करती है। बहन के अपमान से क्रोधित लंकापति रावण अपने मामा मारीचि के साथ षडयन्त्र रचता है। मारीचि सोने का मृग बन कर विचरण कर रहा है। तब सीता जी उस मायावी सोने के मृग को पकड़ने का आग्रह करती हैं। रामचन्द्र जी उस मायावी हिरण का शिकार करने वन में जाते हैं। वन में राम जी की कातर आवाज सुन कर सीता जी अपने देवर लक्ष्मण से आग्रह करती है कि वह जाकर श्री राम जी की मदद करें। तब लक्ष्मण जी एक रेखा खींच कर उस रेखा से बाहर नहीं निकलने का आग्रह करके राम जी की मदद के लिए वन में जाते हैं। तभी पीछे से रावण साधू का वेष धारण करके भिक्षा मांगने आता है। जैसे ही माता सीता लक्ष्मण जी द्वारा खींची गई रेखा को पार करती हैं उनका हरण कर लिया जाता है।

इस मौके एन एच आई के चैयरमेन संतोष यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। भाजपा नेता कैप्टन विकास गुप्ता, रोटेरियन जेके गौड़, सुभाष जैन, दीपक गुप्ता आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर समिति के संस्थापक एवं संरक्षक जितेन्द्र यादव तथा नरेश सिंघल, अध्यक्ष जयकुमार गुप्ता, महामंत्री दीपक मित्तल, कोषाध्यक्ष आर के शर्मा, मेला प्रबंधक एस एन अग्रवाल, स्वागताध्यक्ष योगेश गोयल, पार्षद प्रवीण चौधरी, राजीव मोहन गुप्ता, आर एन पाण्डेय, ब्रजमोहन सिंघल, सुभाष शर्मा, आलोक मित्तल, दीपक मित्तल , अमरीश त्यागी, राजीव त्यागी, जी.पी. अग्रवाल, सुन्दर लाल यादव, मुकेश मित्तल, विनोद गोयल, राजीव गुप्ता, प्रचार मंत्री रेखा अग्रवाल, सौरभ गर्ग, दिनेश शर्मा, मोतीलाल गर्ग, अनिल कुमार क्वालिटी स्टील वाले, मनीष वशिष्ठ, मदन लाल हरित, डीके गोयल, दीपक सिंघल, गोल्डी सहगल, ओमप्रकाश पोपली भोला, विजय लुम्बा, पंकज भारद्वाज, जेपी राणा, श्रीमती उषा गुप्ता, श्रीमती मंजू त्यागी, श्रीमती प्रीति मित्तल सहित राजनगर के कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहें

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। शहर विधायक संजीव शर्मा ने हरिद्वार में जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि जी से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। अध्यात्म जगत की हस्ती से मुलाकात और उनके आशीर्वाद के इस पल को शहर विधायक संजीव शर्मा ने फेसबुक पोस्ट पर साझा किया। उनकी यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

यमन की राजधानी में इस्राइल का बड़ा हवाई हमला

चार बच्चे समेत नौ की मौत,कई लोग घायल

इस्राइल । यमन की राजधानी सेना में इस्राइल के भयावह हवाई हमले में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। शुक्रवार को इस बात की जानकारी यमन के हूथी विद्रोहियों ने दी। यह हमला गुरुवार को हुआ था, जो इस्राइल और ईरान समर्थित हूथियों के बीच गाजा युद्ध को लेकर बढ़ते तनाव का हिस्सा है।

इससे पहले गुरुवार को हूथियों द्वारा दक्षिणी इस्राइल के ईलात शहर में ड्रोन हमला किया गया था, जिसमें 22 लोग घायल हुए थे, जिसके जवाब में इस्राइल ने ये हमला किया। मामले में हूथी नियंत्रित क्षेत्र की स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मरने वालों में चार बच्चे, दो महिलाएं और तीन बुजुर्ग शामिल हैं। इसके अलावा 59 बच्चे, 35 महिलाएं और 80 बुजुर्ग घायल हुए हैं। राहत कर्मी मलबे के नीचे फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं, इसलिए मौतों की संख्या बढ़ सकती है। इस्राइली सेना ने कहा कि उन्होंने सना में हूथी सैन्य कमांड सेंटर, कैंप और सुरक्षा केंद्रों को निशाना बनाया। वहीं हूथी प्रवक्ता ने दावा किया कि इस्राइली हमले ने आवासीय इलाकों और बिजली सुविधाओं को नुकसान पहुंचाया, लेकिन उनकी सुरक्षा प्रणालियों ने हमला रोकने में मदद की। हमले के बारे में सना के निवासी का बयान ऐसे में अब बात अगर सना के निवासी की करें तो उन्होंने इस हमले के बारे में बताया कि एक हमले में एक भवन क्षतिग्रस्त हुआ, जहां हूथी नेता रहते थे। विस्फोट इतना जोरदार था कि आस-पास के कई घर और वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए।

इसके साथ ही स्थानीय लोगों ने बताया कि विस्फोट के बाद पूरा इलाका धूल और काले धुएं से भर गया था। यह संघर्ष गाजा युद्ध में फलस्तीनियों के समर्थन में जारी है, जिसमें हूथी मिसाइल और ड्रोन से इस्राइल पर हमले कर रहे हैं और इस्राइल भी जवाबी कार्रवाई कर रहा है।

नकली शरणार्थियों पर शिकंजा कसने की तैयारी में ट्रंप प्रशासन, दुनियाभर के देशों से मांगा सहयोग

अमेरिका । ट्रंप प्रशासन नकली शरणार्थियों पर नकेल कसने की तैयारी में है। प्रशासन ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को कई देशों के सामने यह राय रखी कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से चली आ रही वैश्विक शरण प्रणाली का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हुआ है। साथ ही उनसे इस तरह के प्रवासन पर नकेल कसने में अमेरिका का साथ देने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के इतर, अमेरिका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडो ने कोसोवो, बांग्लादेश, लाइबेरिया और पनामा के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। इस बैठक का मकसद यह जानना था कि अमेरिका के प्रस्ताव को लेकर शुरूआती स्तर पर कितना समर्थन और रुचि मिल सकती है। लैंडो ने शुरूआती संबोधन में कहा, 'अगर आपके पास लाखों नकली शरणार्थी हैं, तो असली शरण प्रणाली का क्या होगा? प्रक्रिया में खामियां बताना न तो विदेशियों से नफरत है और न ही यह किसी के बुरा इंसान होने की निशानी।' बदलावों में शरण को अस्थायी दर्जा दिया जाना चाहिए अमेरिका ने कहा कि बदलावों में कम से कम शरण को एक अस्थायी दर्जा दिया जाना चाहिए और यह निर्देश दिया जाना चाहिए कि सुरक्षा चाहने वालों को अंततः स्वदेश लौटना होगा। ट्रंप प्रशासन ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी व्यक्ति को अपनी पसंद का देश चुनकर शरण लेने का अधिकार नहीं है। इस पर फैसला देशों के पास है, किसी अंतरराष्ट्रीय संगठन के पास नहीं। अमेरिकी प्रस्ताव को लेकर मानवाधिकार संगठन सतर्क मानवाधिकार संगठन इस प्रस्ताव को लेकर सतर्क हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच के शरणार्थी एवं प्रवासी अधिकारों के निदेशक बिल फ्रेलिक ने कहा कि अमेरिका का यह प्रस्ताव 'वैश्विक शरणार्थी प्रणाली को तोड़ने की दिशा में पहला कदम लगता है।

द्वीपों पर फिर टकराया शक्तिशाली तूफान, चार की मौत

सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए लाखों लोग

फिलीपींस । फिलीपींस के द्वीपों पर एक और उष्णकटिबंधीय तूफान आफत बनकर आया। इसमें चार लोगों की जान चली गई और 4,33,000 से अधिक लोगों को बाढ़ और भूस्खलन संभावित इलाकों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

तूफान बुआलोई, जो कि ताजा वायुचक्रों में से एक है, पूर्वी सामर प्रांत के सान पोलिकार्पो कस्बे में लगभग 110 किमी/घंटा की हवाओं के साथ पहुंचा। इसने बिजली काट दी, बाढ़ मचाई और दो छोटे भूस्खलन की घटना भी हुई। तूफान 'बुआलोई' रात में फिलीपींस में टकराने के बाद अब कमजोर हो चुका है। यह प्रशांत महासागर से लगातार आ रहे तूफानों में से सबसे ताजा तूफान है, जिसने एशिया को भी प्रभावित किया है।

इससे पहले तूफान रगासा आया था। यह पिछले कई वर्षों में सबसे शक्तिशाली तूफान था। इसने उत्तरी फिलीपींस और ताइवान में 25 लोगों की जान ली। अधिकांश मौतें बाढ़ के कारण हुईं। इसके बाद यह तूफा चीन से टकराया और फिर वियतनाम के ऊपर जाकर धीर-धीरे खत्म हो गया। देश की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने यह जानकारी दी।

मस्बाते प्रांत में चार लोगों की मौत हुई। इनमें एक की पेड़ गिरने से, एक की दीवार ध्वस्त होने से, एक की मलबे के गिरने से हुई। जबकि एक व्यक्ति पर बिजली गिरी। बचाव अधिकारियों ने कहा कि अधिकांश सड़कों पर फंसे लोगों के लिए भोजन और प्राथमिक चिकित्सा सामग्री पहुंचाना मुश्किल हो गया है।

नागरिक रक्षा कार्यालय के बर्नार्डो राफेलिटो अलेजांद्रो चतुर्थ ने पत्रकारों को बताया कि तूफान के आते ही 4,33,000 से अधिक लोगों को सरकार संचालित आपदा आश्रयों में भेजा गया। अलबाय प्रांत में मयॉन ज्वालामुखी के पास रहने वाले लोगों को चेतावनी दी गई, क्योंकि भारी बारिश के कारण ज्वालामुखीय कीचड़ बहने (मडफ्लो) की आशंका थी।

गृहकर वृद्धि वापस न हुई तो सिविल सोसाइटी नहीं देगी सहयोग

आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों की चेतावनी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। 26 सितम्बर 2025, उडुपी रेस्टोरेंट, नवयुग मार्केट में विभिन्न आरडब्ल्यूए और फेडरेशनों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोरवा-यूपी के मुख्य संरक्षक, आरडब्ल्यूए फेडरेशन और फ्लैट ओनर फेडरेशन गाजियाबाद के चेयरमैन कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी, कोरवा-यूपी के अध्यक्ष डा. पवन कौशिक, लाइन पार आरडब्ल्यूए फेडरेशन के अध्यक्ष डा. आर.के. आर्या, ट्रांस हिंडन आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष कैलाश चंद्र शर्मा, यूनाइटेड फोरम ऑफ ट्रांस हिंडन एसोसिएशन के संयोजक जय दीक्षित सहित अन्य विशेष आरडब्ल्यूए अध्यक्ष शामिल रहे।

बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि यदि नगर निगम द्वारा गृहकर वृद्धि का फैसला वापस नहीं लिया गया, तो गाजियाबाद की सिविल सोसाइटी भविष्य में नगर निगम को और वर्तमान जनप्रतिनिधियों को कोई सहयोग नहीं देगी।

रूस ने डीजल और पेट्रोल के निर्यात पर लगाया आंशिक प्रतिबंध, यूक्रेनी ड्रोन हमलों के बाद लिया फैसला

यूक्रेन । यूक्रेन के ड्रोन हमलों के कारण रूस की तेल शोधन (रिफाइनिंग) क्षमता में भारी गिरावट आई है। कुछ दिनों में ही यह गिरावट लगभग पांचवां हिस्सा तक पहुंच गई, जिससे रूस के प्रमुख बंदरगाहों से ईंधन का निर्यात भी प्रभावित हुआ है। इन हालात के बीच रूस ने डीजल और पेट्रोल के निर्यात पर आंशिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है, जो साल के अंत तक लागू रहेगा। उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने गुरुवार को यह घोषणा की।

नोवाक ने कहा, हम पेट्रोल निर्यात पर प्रतिबंध को साल के अंत तक बढ़ाएंगे और डीजल ईंधन के गैर-उत्पादकों के लिए निर्यात पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। इससे घरेलू बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बढ़ेगी। उन्होंने यह भी बताया कि देश में तेल उत्पादों की थोड़ी कमी है, लेकिन मौजूदा भंडार से मांग पूरी नहीं की जा सकती है।

इस बीच, रूस के नियंत्र वाले क्रीमिया के प्रमुख सर्गेई अक्स्योनोव ने बताया कि ईंधन की आपूर्ति में बाधा रिफाइनरियों के बंद होने के कारण आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, डीजल निर्यात पर लगा नया प्रतिबंध मुख्य रूप से बिचौलियों पर लागू होता है, न कि उत्पादकों पर। लेकिन रूस से डीजल का बड़ा हिस्सा सीधे उत्पादकों द्वारा उत्तरी और दक्षिण पाइपलाइनों के जरिये बाल्टिक और काला सागर के बंदरगाहों तक पहुंचाया जाता है।

2024 में रूस ने लगभग 86 मिलियन मीट्रिक टन डीजल का उत्पादन किया, जिसमें से करीब 31 मिलियन टन का निर्यात हुआ। समुद्री मार्ग से डीजल निर्यात करने वाले देशों में रूस और अमेरिका शीर्ष पर रहे हैं। वहीं, पेट्रोल के निर्यात पर लगा प्रतिबंध उत्पादकों और बिचौलियों दोनों पर लागू होगा। हालांकि, यह प्रतिबंध अन्य देशों के साथ रूस के अंतर-सरकारी समझौतों पर लागू नहीं होगा।

रूस में ईंधन की कमी तेजी से बढ़ रही है। स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक, देश की दूसरी सबसे बड़ी तेल कंपनी लुकोइल ने मॉस्को के कुछ पेट्रोल पंपों पर जैरी कैन (डिब्बे) में पेट्रोल बेचने पर रोक लगा दी है।

कूटनीतिक तनाव बढ़ा: माली ने फ्रांसीसी दूतावास के कर्मचारियों को देश से निकाला

फ्रांस । माली और फ्रांस के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ गया है। माली की सत्तारूढ़ सेना ने फ्रांस के साथ आतंकवाद-रोधी सहयोग समाप्त करने की घोषणा की है और फ्रांसीसी दूतावास के पांच कर्मचारियों को देश से निकाल दिया है। यह जानकारी बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को एक गोपनीय पत्र से मिली है।

17 सितंबर को माली के विदेश मंत्रालय की ओर से राजधानी बामाको स्थित फ्रांसीसी दूतावास को भेजे गए नोट में कहा गया कि इन पांच कर्मचारियों को पसोर्ना नॉन ग्राटा (अवांछित व्यक्ति) घोषित किया गया है और 'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को पूरी तरह समाप्त किया जाता है।' हालांकि, मंत्रालय के नोट में दूतावास के कर्मचारियों को निष्कासित करने का कोई विवरण नहीं बताया गया है।

फ्रांस ने माली के दो खुफिया अधिकारियों को किया था निष्कासित फ्रांस के एक राजनयिक सूत्र ने बताया कि माली का यह कदम, फ्रांस द्वारा पिछले हफ्ते पेरिस स्थित माली दूतावास के दो खुफिया अधिकारियों को निकालने और आतंकवाद-रोधी सहयोग को निलंबित करने के जवाब में उठाया गया है। फ्रांसीसी दूतावास के अधिकारी की गिरफ्तारी के बाद बिगड़े हालात हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव बढ़ गया है। अगस्त में बामाको स्थित फ्रांसीसी दूतावास के एक खुफिया अधिकारी को गिरफ्तार किए जाने के बाद से हालात और बिगड़ गए। माली अधिकारियों ने उस फ्रांसीसी नागरिक पर आरोप लगाया था कि वह माली की सेना के कुछ अधिकारियों, जिनमें दो जनरल भी शामिल थे, की मदद से तख्तापलट की साजिश रच रहा था।

अवैध तरीके से अमेरिका पहुंचे भारतीय को किया गया गिरफ्तार

18-व्हीलर ट्रक से वाहनों को टक्कर मारने का आरोप

अमेरिका । अमेरिका में एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने पिछले साल कैलिफोर्निया में ट्रक चलाते हुए कई वाहनों को टक्कर मार दी थी। इस घटना में एक पांच साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल हुई और उसकी जिंदगी पूरी तरह से बदल गई। यह व्यक्ति कथित तौर पर अवैध रूप से अमेरिका आया था।

आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आईसी) ने पिछले महीने आरोपी प्रताप सिंह को गिरफ्तार किया था। उसे तब तक आईसीई की हिरासत में रखा गया है, जब तक कि उसका आव्रजन का मामला तय नहीं हो जाता। आईसीई ने बताया कि जून 2024 प्रताप सिंह ने कैलिपोर्निया में एक वाणिज्यिक 18 पहियों वाले ट्रक को चलाते हुए कई वाहनों कई कारों की टक्कर करवाई। गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) के एक बयान में कहा गया कि प्रताप सिंह ने अक्तूबर 2022 में अमेरिका की दक्षिण सीमा को अवैध तरीके से पार किया था और तब बाइडन प्रशासन ने उसे रिहा कर दिया था। कैलिफोर्निया राजमार्ग पुलिस (सीएचपी) की दुर्घटना पर रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रताप सिंह ने असुरक्षित गति से वाहन चलाया और ट्रैफिक व निर्माण क्षेत्र में भी नहीं रुका। प्रताप सिंह को कैलिफोर्निया के मोटर वाहन विभाग (डीएमवी) की ओर से वाणिज्यिक चालक का लाइसेंस जारी किया गया था।

दुर्घटना में पांच वर्षीय डलिलाह कोलमेन को गंभीर और जीवन को बदल देने वाली चोटें आई थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, उसकी हालत इतनी खराब हो गई कि वह चल नहीं सकती, बोल नहीं सकती, आम भोजन नहीं कर सकती। इस वजह से वह किंडरगार्टन नहीं जा सकीं। उसे तीन हफ्ते कोमा में रखा गया और छह महीने अस्पताल में उपचार हुआ।

इलाज के दौरान डॉक्टरों को उसके सिर की सर्जरी करनी पड़ी, जिसमें सिर की एक हड्डी को हटाना पड़ा। करीब चार महीने तक उसके सिर का आधा हिस्सा नहीं था। उसकी जांघ की हड्डी टूट गई, सिर की हड्डियां भी टूट गईं। अब उसे चलने-फिरने और बोलने में परेशानी होती है, दिमाग की विकास धीमा हो गया है और उसे ठीक होने के लिए हमेशा इलाज और थेरेपी की जरूरत पड़ेगी।

डीएचएस की सचिव क्रिस्टी नोम ने कहा, कोलमेन की जिंदगी एक अवैध तरीक से आए व्यक्ति के कारण हमेशा के लिए बदल गई, जब उसने 18 पहियों वाले वाहन को चलाते हुए उस पर और उसके परिवार पर टक्कर मारी। यह त्रासदी पूरी तरह टाली जा सकती थी।

उन्होंने यह भी कहा कि यह एक उदाहरण है कि कैलिफोर्निया डीएमवी ने अवैध व्यक्ति को वाणिज्यिक चालक का लाइसेंस जारी किया। नोम ने कहा, और कितने निर्दोष लोगों को पीड़ित होना होगा। गेविन न्यूजॉम (कैलिफोर्निया के गवर्नर) अमेरिकी लोगों के जीवन के साथ खेलना बंद करें।

यह हाल के समय में दूसरा मामला है। अगस्त में एक अन्य भारतीय हरजिंदर सिंह को दुर्घटना में तीन लोगों की मौत के लिए गिरफ्तार किया गया। उसने फ्लोरिडा राजमार्ग पर 18 पहिए वाले ट्रक को चलाते हुए गलत तरीके से यू-टर्न करने की कोशिश, जिससे सड़क पर सभी लेन ब्लॉक हो गई और तीन लोगों की जान चली गई।

विवादित समुद्री सीमा में घुसा उत्तर कोरियाई जहाज दक्षिण कोरिया ने की गोलियों की बौछार

वॉशिंगटन । दक्षिण कोरिया की सेना ने शुक्रवार तड़के चेतावनी गोलियां चलाकर एक उत्तर कोरियाई व्यापारी जहाज को खदेड़ दिया, जो दोनों देशों के बीच विवादित पश्चिमी समुद्री सीमा को पार कर गया था। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 5 बजे बैंगनयोंग द्वीप के पास हुई। सेना ने पहले जहाज को ऑडियो संदेश के जरिए चेतावनी दी और फिर चेतावनी गोलियां चलाईं, जिसके बाद जहाज तुरंत लौट गया।

समुद्री सीमा की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार- दक्षिण कोरिया अभी तक यह जानकारी नहीं मिली है कि उत्तर कोरिया ने गोलीबारी का जवाब दिया या किसी तरह की ताकत का इस्तेमाल किया। वहीं दक्षिण कोरिया ने कहा कि यह कार्रवाई तय सैन्य प्रक्रिया के तहत की गई और सेना अपनी समुद्री सीमा की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है।

नॉर्दर्न लिमिट लाइन है विवाद की वजह

दोनों देशों के बीच यह समुद्री सीमा, जिसे नॉर्दर्न लिमिट लाइन (एनएलएल) कहा जाता है, ठीक से चिह्नित नहीं है। इस वजह से यहां अक्सर टकराव की घटनाएं होती रहती हैं। 2010 में उत्तर कोरिया ने एक दक्षिण कोरियाई द्वीप पर गोलाबारी की थी और एक नौसैनिक जहाज पर कथित तौर पर टॉरपीडो हमला किया था, जिनमें 50 दक्षिण कोरियाई नागरिक मारे गए थे।

उत्तर कोरिया समुद्री सीमा को नहीं देता मान्यता बता दें कि, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने जनवरी 2024 में कहा था कि उनका देश इस सीमा को मान्यता नहीं देता। उनका दावा है कि वास्तविक सीमा और आगे दक्षिण कोरिया के नियंत्रण वाले समुद्री क्षेत्र में आती है। इससे पहले 2022 में भी दोनों देशों ने चेतावनी गोलियां चलाई थीं, जब एक उत्तर कोरियाई व्यापारी जहाज ने इसी समुद्री सीमा को पार किया था।

कोरियाई प्रायद्वीप पर लगातार बढ़ रहा तनाव

फिलहाल, कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव लगातार बढ़ रहा है। उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया की बातचीत फिर से शुरू करने की अपील को नजरअंदाज कर रहा है और किम जोंग उन लगातार अपने हथियार कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। इसके साथ ही, फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से उत्तर कोरिया और रूस के बीच संबंध भी और गहरे हो गए हैं।

आयरिश हिप-हॉप ग्रुप नीकैप के सदस्य पर आतंकवाद से जुड़े आरोप खारिज, फहराया था हिजबुल्ला का झंडा

लंदन । लंदन की वूलविच क्राउन कोर्ट ने आयरिश भाषा में गाने वाले हिप-हॉप ग्रुप नीकैप के सदस्य और रैपर मो चारापर लगे आतंकवाद से जुड़े आरोप को शुक्रवार को खारिज कर दिया। रैपर का असली नाम लियाम ओग ओ हनैधी है। इन पर आरोप था कि इन्होंने पिछले साल लंदन के एक कॉन्सर्ट में हिजबुल्ला का झंडा लहराया था, जिसे ब्रिटेन ने आतंकी संगठन घोषित किया है।

नीकैप ग्रुप कई बार विवादों में रहा है। उस पर आरोप है कि वह अपने बयानों और प्रदर्शनों से हमास और हिजबुल्ला जैसे संगठनों की महिमा गान करता है। हंगरी और कनाडा पहले ही इस ग्रुप पर बैन लगा चुके हैं। वहीं, ब्रिटेन में भी इसकी गतिविधियां लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में हैं।

फलस्तीन मुद्दे पर बैंड का रुख बैंड ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि आलोचक उन्हें चुप कराना चाहते हैं क्योंकि वे फलस्तीन के पक्ष में खुलकर आवाज उठाते हैं। उनका कहना है कि वे न तो हिजबुल्ला और हमास का समर्थन करते हैं और न ही हिंसा का समर्थन करते हैं। उन्होंने अपने रुख को मानवीय मुद्दा बताया है, न कि राजनीतिक।

रैपर मो चारा का पक्ष 27 वर्षीय मो चारा ने अदालत में कहा कि यह मुकदमा पूरी तरह से राजनीतिक रूप से प्रेरित है। उनके अनुसार, यह उनके बैंड को दबाने और उनकी फलस्तीन समर्थक आवाज को रोकने की कोशिश है। उन्होंने जोर दिया कि उनका मकसद किसी भी तरह से आतंकी संगठनों को समर्थन देना नहीं है।

ब्रिटेन में राजनीतिक बहस इस मामले ने ब्रिटेन में राजनीतिक और सामाजिक बहस को भी हवा दी है। जहां कई लोग नीकैप को 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' का उदाहरण मान रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द के नाम पर इसके बयानों की कड़ी आलोचना भी हो रही है। इस फैसले के बाद यह बैंड एक बार फिर सुर्खियों में है।

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले वेस्टइंडीज को लगा झटका शमार जोसेफ हुए बाहर

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले ही वेस्टइंडीज को बड़ा झटका लगा है और उसके तेज गेंदबाज शमार जोसेफ दो मैचों की इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। शमार चोट के कारण इस सीरीज का हिस्सा नहीं बन सकेंगे और क्रिकेट वेस्टइंडीज ने उनकी जगह अनकैप्ड ऑलराउंडर जोहानन लेन को टीम में शामिल किया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज का पहला मुकाबला दो अक्तूबर से अहमदाबाद में होगा।

जोसेफ की चोट को लेकर नहीं दी विस्तृत जानकारी

वेस्टइंडीज क्रिकेट ने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए शमार जोसेफ की जगह जोहानन लेन टीम का हिस्सा होंगे। जोसेफ चोट के कारण बाहर हुए हैं और बांग्लादेश के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से पहले उनकी चोट को फिर से जांचा जाएगा।' वेस्टइंडीज क्रिकेट ने हालांकि, जोसेफ की चोट को लेकर विस्तृत जानकारी नहीं दी है। लेकिन भारत के खिलाफ महत्वपूर्ण सीरीज के लिए जोसेफ का नहीं होना मेहमान टीम के लिए बड़ा झटका है।

डेब्यू के बाद से ही जोसेफ अपना प्रभाव छोड़ने में सफल हुए हैं और वह टीम के अहम सदस्य हैं। जोसेफ ने 11 टेस्ट मैच में 51 विकेट लिए हैं और उनकी इकॉनोमी रेट भी शानदार है। दूसरी ओर, जोसेफ की जगह टीम में आए लेन तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं। उन्होंने 19 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और 22.28 के औसत से 66 विकेट चटकाए हैं, जबकि 495 रन भी बनाए हैं।

वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए टीम में नहीं बना पाए जगह, अब करुण नायर ने तोड़ी चुप्पी, दिया ये जवाब

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में जगह बरकरार नहीं रख सके हैं। करुण ने इंग्लैंड दौरे से आठ साल बाद टीम में वापसी की थी, लेकिन अगली ही सीरीज में उन्हें बाहर बैठा दिया गया। अब इसे लेकर करुण नायर ने चुप्पी तोड़ी है और कहा है कि इसका जवाब सिर्फ चयनकर्ता ही दे सकते हैं।

गिल की कप्तानी में उतरेगी टीम

वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का एलान हो गया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी, जबकि रवींद्र जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो अक्तूबर को दो मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस सीरीज के लिए करुण की जगह चयनकताओं ने देवदत्त पडिक्कल को मौका दिया है।

इंग्लैंड दौरे पर मौके का फायदा नहीं उठा पाए थे करुण

करुण इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके थे। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल पर आखिरी टेस्ट में अर्धशतक जमाने वाले करुण ने सभी पारियों में अच्छी शुरूआत की। वह खराब फॉर्म में नहीं थे लेकिन ज्यादा रन नहीं बना सके। करुण ने चार मैचों में 25.62 के औसत से 205 रन बनाए थे। यही कारण है कि उन्हें वेस्टइंडीज सीरीज के लिए नहीं चुना गया। टीम के एलान के बाद करुण ने एक समाचार पत्र से बात करते हुए कहा, मैं चयन नहीं करता और मुझे नहीं पता कि इस वक्त क्या कहूं। कोई शब्द नहीं है, मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता और मेरे लिए इसका जवाब देना मुश्किल है। आपको इस बारे में चयनकर्ता से पूछना चाहिए कि वे क्या सोच रहे हैं। बस यही कह सकता हूं कि मैंने अंतिम टेस्ट में अर्धशतक लगाया था और उस वक्त पहली पारी में कोई ऐसा नहीं कर सका था। मुझे लगता है कि मैंने टीम के लिए योगदान दिया, विशेषकर आखिरी मैच में जिसमें हम जीत दर्ज करने में सफल रहे। लेकिन हां, ये तो है ही। ये बातें मायने नहीं रखतीं।

अगरकर ने बताया था कारण करुण को बाहर करने पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का बयान भी सामने आया था।

29 सितम्बर को गाजियाबाद में होगा सफाई मित्र सम्मान समारोह : पं. आर.डी. शर्मा

गाजियाबाद करंट क्राइम। मेरी आवाज सुनो जन कल्याण समिति पंजी. के तत्वावधान में 29 सितम्बर 2025, सोमवार को सफाई मित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, नेहरू नगर, गाजियाबाद में होगा।

समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक पं. आर.डी. शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि सेवा पखवाड़ा (17 सितम्बर से 2 अक्टूबर) के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सफाई मित्रों के योगदान को सम्मानित करना और समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि सफाई मित्र हमारे समाज की रीढ़ हैं, उनके सम्मान के बिना स्वच्छ भारत अभियान अधूरा है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, महापौर सुनीता दयाल, सांसद अतुल गर्ग, पूर्व सांसद अनिल अग्रवाल, विधायक नन्दकिशोर गुर्जर, मंत्री नरेंद्र कुमार कश्यप, विधायक संजीव शर्मा और विधायक अजीत पाल त्यागी शामिल होंगे।

विशिष्ट अतिथियों में मानसिंह गोस्वामी , पवन कुमार त्यागी, पं. अमरेश शर्मा, मयंक गोयल, अनिल अग्रवाल साँवरिया , बालकृष्ण गुप्ता और डॉ. सौरभ जायसवाल भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान सफाई मित्रों को सम्मानित करने के साथ-साथ निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया जाएगा।

कलेक्ट्रेट में वोकल फॉर लोकल प्रदर्शनी कर विधायक अजित पाल तयागी ने किया शुभारंभ

गाजियाबाद करंट क्राइम। कलेक्ट्रेट प्रांगण में वोकल फॉर लोकल प्रदर्शनी का शुभारंभ विधायक अजीत पाल त्यागी ने भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में किया। प्रदर्शनी में महिलाओं द्वारा बनाए गए गृह उत्पादों को प्रदर्शित किया गया, जिनकी खरीदारी विधायक, अध्यक्ष सहित मौजूद जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने भी की।

विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अभियान वोकल फॉर लोकल ने नारी शक्ति को आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का मार्ग दिया है। वहीं, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि स्थानीय उत्पादों को अपनाना ही राष्ट्रधर्म है। इस अवसर पर अमर दत शर्मा, अरविंद भारती, महेश अग्रवाल, सरदार एस.पी. सिंह, तरुण शर्मा, सुशील गौतम, गोपाल अग्रवाल, प्रदीप चौधरी, अनिल सांवरिया, धवल कुमार, गौरव चोपड़ा, प्रदीप चौहान, कामेश्वर त्यागी, पंकज भारद्वाज, नीरज त्यागी, विनीत शर्मा, प्रीति चंद्रा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्यों कहा कहने वाले ने कि संगठन वालों का धक्का खाकर टूट गया है खास गुप्ता जी का दिल? इससे पहले तो धक्का देने वाले बहुत ही स्माइल लेकर उनसे रहे थे मिल? मगर, मैराथन के दौरान जैसा गुप्ता जी पाना चाहते थे वैसा नहीं मिला उनको स्थान? ऊपर से ये बात ये हो गई अलबत्ता, अपने पास खड़ा करना तो दूर, मान्नने वाले ने मार दिया गुप्ता जी को धक्का?

क्यों कहा कहने वाले ने कि ये बात नदिया पार की टी-सीरीज कंपनी से निकलकर आई है बाहर? कहने वाले कह रहे हैं, कार्यकारिणी उपाध्यक्ष कौन बनेगा इसको लेकर पड़ गई है ठाकुरों के बीच में दरार? तभी दिखाने वाले ने पूरे गौरव से दिखाया था नरेश को सपना? कहा था, आप बनोगे उपाध्यक्ष, आपका बनना ऐसा होगा जैसा बनना हो अपना? मगर सुना है, कार्यकारिणी चुनाव के बाद पूरे गौरव से कोई कर रहा है भाटी जी को बाईपास? इस चेहरे के भी जाग गए हैं उपाध्यक्ष वाले जज्बात? आज नहीं तो कल फैलना है रायता, खुलकर सामने आएगी सारी बात?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार के पूर्व मेंबर चिंटू भैया भी लगातार छोड़ते रहते हैं भगवा वालों के ऊपर तीर? यूं विपक्ष की ओर से मजबूत लड़ाई लड़ना उनके लिये बन गया है नजीर? सुना है, जीएसटी कम होने वाले मेटर पर उन्होंने फिर से चलाया है बाण? कहा है, जनता के बीच में जाने वाले जनप्रतिनिधि कम से कम बढ़े हुए हाउस टैक्स का तो निकाले समाधान? हाउस टैक्स को लेकर ये क्यों हैं सभी खामोश? क्यों नहीं दिख रहा इनका इस मुद्दे पर जोश? जीएसटी कम होने की तो हर किसी को लग गई है जानकारी? ये हाउस टैक्स कम करके दिखाएं, तभी हम इनका मामला मानेंगे भारी?

क्यों कहा कहने वाले ने कि इस बार मैं आपसे पूछ रहा हूं सनम, जो गाजियाबाद के प्रभारी हैं वो क्यों आते हैं इतना कम? क्यों नहीं देते हैं वो यहां पर हिसाब से टाइम, ये बात हमको तो नहीं लगती है फाइन? हमने देखा है, भगवा किंग अपने प्रभार वाले एरिये में देते हैं हफ्ते में चार बार दस्तक? उनकी तरह कम से कम यहां पर भी चमकना चाहिए प्रभारी जी का मस्तक?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मुराद पूरी करने वाले एरिये से कुछ क्रांतिकारी चेहरे कर रहे हैं अंदरखाने भगवा कमांडर पर वार? हम तो हैरान इस बात पर हैं कि जो त्यागी जी खुद को इतना क्रांतिकारी मानते हैं, आखिर ऐसे मामले में कहां गायब हो गया है उनके अंदर का यार? क्यों नहीं वो इस मुद्दे पर बन रहे हैं अपने प्रिय कमांडर की ढाल? या फिर वो इस बात को जानते हैं मुराद पूरी करने वाले नगर में उनकी सभी शक्तियां शून्य हो जाती हैं, इसलिये वो नहीं प्रकट कर रहे हैं कोई भी क्रांतिकारी विचार?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हमें भगवा योद्धा की एक बात है बहुत ही भाती, वो सक्रिय चेहरों को बनाते हैं अपने आयोजन का साथी? कहने वाले ने कहा- हम यूं ही नहीं कह रहे हैं ये बात, पार्टी की पुराने कार्यकर्ता नीरू शर्मा को मुख्य धारा में लाकर उन्होंने कराया है कुछ ऐसा ही एहसास? उन्होंने एक ऐसे चेहरे को दिया है अपनी टीम में स्थान, जिस चेहरे ने एक समय भाजपा के सदस्य बनाने में छूट थे बड़े-बड़े आयाम? कहने वाले ने कहा- नहीं तो पिछले वाले तो भूल गए थे नीरू दीदी का नाम?

क्यों कहा कहने वाले ने कि आप में ही ज्यादा समझो मेरे शब्दों की रजा? कार्यालय पर इसलिये ताला लगा रहता है क्योंकि एक व्यक्ति हैं इसकी वजह? सुना है, इन्हीं व्यक्ति की वजह से वो नहीं खोल रहे हैं कार्यालय के गेट? अपने हिसाब से वो ले रहे हैं लेने वालों से अपडेट? पहले तो वो इस चेहरे को लेकर सॉफ्ट नजर आते थे, ना जाने क्यों अब वो इनको लेकर इतना हो गए हैं ठेट?

क्यों कहा कहने वाले ने कि कुछ इस तरह शर्मा मेंबर ने भगवा सोलंकी को अपना अरमान परोसा? कहा- आज से हाउस टैक्स की लड़ाई में मैं तुम्हारे साथ हूं, तुम्हें मुझ पर करना होगा भरोसा? तुम जो कहोगे जहां कहोगे, मैं जाऊंगा तुम्हारे साथ? मगर, मेरी शर्त इतनी है कि इस पूरे मेटर में पार्टी प्लेटफॉर्म पर होनी चाहिए बात? आज से तुम हो वीरू और जय वाला मेरा रहेगा अंदाज?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नगर निगम में नहीं चूकने वाले नेता का जलवा है जोरदार? सुना है, एक सीएलसी वाला कर्मचारी उनकी फाइल उठाता है और दूसरा चलाता है उनकी कार? सुना है, नेताजी का ये जलवा उठा देता है उनके विरोधियों के सीने में गुबार? पता चला है इस जलवे का मामला पहुंचा दिया है पहुंचाने वालों ने ताकतवर मैडम के द्वार? देखना अब ये है कि सिस्टम में कुछ परिवर्तन दिखाई देगा या ऐसे ही रहेगा नहीं चूकने वाले नेता का जलवा बरकरार?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हम चाहते हैं इस बार नगर निगम के उपाध्यक्ष वाले मामले में गेम चला जाए फेयर? महिला चेहरे को उपाध्यक्ष बनाया जाए, क्योंकि महिला चेहरा ही है गाजियाबाद की मेयर? कहने वाले ने कहा- हमने उठाकर देखा है इतिहास, आज तक इस पद पर नहीं किया गया है किसी महिला चेहरे को याद? अगर, मेयर साहब चाहें तो हो सकता है इस सीट पर महिला चेहरे का उद्धार? बस मैं कहीं पर बैठा था, वहां पर कोई प्रकट कर रहा था अपने विचार?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

जीएसटी सुधारों से हर वर्ग को लाभ मिलेगा : विधायक संजीव शर्मा

गाजियाबाद करंट क्राइम। शहर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए जीएसटी सुधार हर वर्ग के लिए लाभकारी साबित होंगे। रमतेराम रोड स्थित एक व्यापारिक प्रतिष्ठान पर आयोजित व्यापारियों की बैठक में उन्होंने कहा कि जीएसटी छूट के साथ शुरू हुआ बचत उत्सव आगामी दिवाली पर और अधिक रंगीन व आकर्षक होगा। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि मजदूर, किसान, गृहणी, व्यापारी, उद्यमी और युवा सभी इस सुधार से लाभान्वित होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सुधार 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करेगा तथा भारत जल्द ही विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और शक्तिशाली राष्ट्र बनेगा। इस अवसर पर विधायक ने स्वदेशी अपनाने की अपील भी की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्षद राजीव शर्मा, पूर्व पार्षद राजेश शर्मा, पंडित अशोक भारतीय, शरद वकील शेरु, वंश खुराना, संजय खुराना, अजय चोपड़ा, प्रवीण बत्रा, अनुराग शर्मा, महिम गुप्ता, मनीष, रविंद्र, अवध शर्मा, लव अग्रवाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

इंदिरापुरम में पुलिस मुठभेड़ बदमाश गिरफ्तार, तमंचा व चोरी की बाइक बरामद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। थाना इंदिरापुरम पुलिस ने शुक्रवार को कनावनी पुलिया के पास हुई पुलिस मुठभेड़ में एक शातिर बदमाश को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। बदमाश के कब्जे से 01 अवैध तमंचा, 01 खोखा कारतूस, 01 जिंदा कारतूस और चोरी की 01 मोटरसाइकिल बरामद हुई। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया है कि मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं से स्नैचिंग और लूट की घटनाओं पर रोकथाम के लिए चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान हिण्डन बैराज की ओर से आ रहे बाइक सवार ने पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की। बाइक फिसलने के बाद जब पुलिस ने उसे पकड़ने का प्रयास किया तो उसने फायरिंग कर दी।

जवाबी कार्रवाई में गोली उसके पैर में लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। गिरफ्तार बदमाश की पहचान सुहेब उर्फ सुहेल निवासी ग्राम रहीसपुर, थाना मधुवन बापूधाम, गाजियाबाद (उम्र 25 वर्ष) के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली में कई लूट व स्नैचिंग की वारदातें कबूल कीं। वह लूटे गए मोबाइल और चैन दिल्ली में सस्ते दामों पर बेचता था। इस मुठभेड़ में महिला उप निरीक्षक अलका ,इंस्पेक्टर रवींद्र भी शामिल हुए।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, सुहेब पर लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट समेत आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

श्री सुल्लामल रामलीला कमेटी में सुमंत वापसी से भरत कूपलीला तक की प्रस्तुति

गाजियाबाद करंट क्राइम। श्री सुल्लामल रामलीला कमेटी में शुक्रवार को रामलीला मंचन का अगला पड़ाव प्रस्तुत किया गया, जिसमें सुमंत की अयोध्या वापसी से लेकर दशरथ मरण, भरत मनावन और भरत कूपलीला तक की लीला का सजीव चित्रण हुआ।

लीला में दिखाया गया कि सुमंत की वापसी के बाद राजा दशरथ, रामचंद्र जी के वन गमन के वियोग में गहरे दु:ख से टूट जाते हैं। वे कहते हैं— कौशल्या! मेरा अंतिम समय निकट है। अब मेरी आँखों से कुछ दिखाई नहीं दे रहा। राम का दर्शन अब संभव नहीं होगा। मेरी इंद्रियाँ साथ छोड़ रही हैं और चेतना लुप्त हो रही है। यह कहते हुए दशरथ बार-बार राम, लक्ष्मण और सीता को पुकारते हैं और अंतत: उनके प्राण निकल जाते हैं। इसके बाद कथा पंचवटी पहुँचती है, जहाँ राम, सीता और लक्ष्मण की भेंट सती अनुसुइया से होती है। सती अनुसुइया माता सीता को स्त्री धर्म और पति धर्म के महत्व का उपदेश देती हैं। वह बताती हैं कि पति की सेवा करना नारी का सर्वोच्च धर्म है और उनकी आज्ञा का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने सीता को गृहस्थ जीवन और स्त्री मयार्दा के कई सूत्र समझाए। लीला के अगले प्रसंग में भरत अयोध्या पहुँचकर राम के वनवास की सूचना पाते हैं। वह राम को मनाने के लिए चित्रकूट जाते हैं, किंतु राम अयोध्या लौटने से मना कर देते हैं। तब भरत, राम की खड़ाऊँ लेकर उन्हें अयोध्या के सिंहासन पर विराजमान करते हैं और उन्हीं की प्रतीक रूप में राज्य संचालन करते हैं।

कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष अजय बंसल, नरेश अग्रवाल, सुधीर गोयल, संजीव मित्तल, अनिल चौधरी, वीरेंद्र कुमार वीरो, अशोक गोयल, दिनेश शर्मा बब्बे, ज्ञान प्रकाश गोयल, सुशांत गोयल, पार्षद नीरज गोयल, पार्षद राजीव शर्मा, सुबोध गुप्ता, राकेश स्वामी, सौरभ जायसवाल, प्रदीप मित्तल, रविंद्र मित्तल, राघवेंद्र शर्मा, राजेश बंसल, विनोद गोयल सहित अनेक पदाधिकारी व गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जयंत चौधरी के संज्ञान में पहुँचा गुर्जर पंचायत प्रकरण, विधायक मदन भैया ने उठाई आवाज, जाँच की माँग

गाजियाबाद/मेरठ, करंट क्राइम। सरधना विधानसभा क्षेत्र के गाँव दादरी मंडोरा में आयोजित गुर्जर समाज की पंचायत में पुलिस हस्तक्षेप से उपजे विवाद का मामला तूल पकड़ने लगा है। पंचायत में हुई कथित पुलिस कार्रवाई के बाद से क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई है, जिस पर अब राजनीति भी गरमा गई है। विधायक मदन भैया ने इस घटना को गंभीर बताते हुए केंद्रीय मंत्री जयंत सिंह को पत्र लिखा है। उन्होंने मांग की है कि राष्ट्रीय लोकदल का एक प्रतिनिधिमंडल भेजकर प्रकरण की निष्पक्ष जाँच कराई जाए और सच्चाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संज्ञान में लाया जाए। मदन भैया ने कहा कि निर्दोष लोगों को अविलंब रिहा कराने के लिए आदेश पारित होना चाहिए। विधायक ने चेताया कि यदि समय रहते इस विवाद पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो यह मामला प्रदेश ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों तक राजनीतिक रंग ले सकता है।

गोबर से बनेगा प्राकृतिक पेंट, गाजियाबाद में प्लांट का उद्घाटन : मेयर और नगर आयुक्त ने किया शुभारंभ

गाजियाबाद , करंट क्राइम। शहर को स्वच्छ, हरित और आकर्षक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत गाजियाबाद नगर निगम द्वारा प्राकृतिक पेंट प्लांट का शुभारंभ महापौर सुनीता दयाल एवं नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा किया गया। इस अवसर पर ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज 2025 के अंतर्गत न्यू यॉर्क से आई तीन सदस्यीय टीम ने भी शिरकत की और नंदी पार्क गौशाला का निरीक्षण किया।

गोबर से तैयार हो रहा है प्राकृतिक पेंट

करंट क्राइम। नगर निगम द्वारा गोबर प्रबंधन की समस्या के समाधान के लिए गोबर से प्राकृतिक पेंट तैयार किया जा रहा है, जिसका उपयोग सरकारी भवनों, स्कूलों एवं अन्य संस्थानों में किया जाएगा। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि यह पेंट न केवल पर्यावरण हितैषी है, बल्कि इसके उपयोग से छतों का तापमान 2-3उ तक कम किया जा सकता है, जिससे शहरी हीट वेव की समस्या में राहत मिलेगी।

गाजियाबाद में पहली पायलट प्रोजेक्ट शुरू

करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने जानकारी दी कि पेंट निर्माण में गोबर के साथ 40% डिस्टेंपर और 30% इमल्शन का मिश्रण किया जा रहा है। यह पायलट प्रोजेक्ट गाजियाबाद को एक मॉडल शहर के रूप में स्थापित करेगा। परियोजना में 25 से अधिक स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है, जिससे महिला सशक्तिकरण को भी बल मिलेगा। इस अभिनव परियोजना के तहत गाजियाबाद नगर निगम को ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज के तहत 50 लाख रुपए की अनुदान राशि प्राप्त हुई है, और पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के पश्चात 10 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि मिलने की संभावना है। नगर निगम की योजना है कि इस पेंट का उपयोग सरकारी स्कूलों की छतों पर कर बच्चों को गर्मी से बचाया जाए, जिससे शिक्षा वातावरण को भी अनुकूल बनाया जा सके। पेंट की उच्च परावर्तक क्षमता से इसका शीतलन प्रभाव वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हुआ है। कार्यक्रम में उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. अनुज, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश, मुख्य अभियंता नरेंद्र कुमार चौधरी, तथा एक्सपर्ट टीम से तरूशी और साहिल की उपस्थिति रही।

शुभकामनाएं

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी एक बार फिर निगम कार्यकारिणी सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं। वह मौजूदा समय में राजनगर से पार्षद है और निगम कार्यकारिणी सदस्य के रूप में निर्विरोध चुने गए। प्रवीण चौधरी को लगातार बधाई और शुभकामनाएं मिल रही है। सहकारिता समिति के सदस्य वीरेंद्र सारस्वत ने भी उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

अंत्योदय ही सच्चे विकास का मूल मंत्र : अमरपाल मौर्य

गाजियाबाद करंट क्राइम। भारतीय जनसंघ के विचारक एवं भाजपा के पथप्रदर्शक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भाजपा महानगर द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुबह महानगर के सभी बूथों पर कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित की और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

शाम को साहिबाबाद स्थित मॉडर्न कॉलेज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन एवं विचार विषय पर संगोष्ठी हुई। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अंत्योदय का मंत्र दिया था। उनका मानना था कि समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान ही सच्चे विकास का आधार है। मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकारें इसी विचारधारा को मूर्त रूप दे रही हैं।

प्रभारी मंत्री असीम अरुण ने कहा कि गरीबों तक घर, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पहुंचाना ही अंत्योदय की सच्ची परंपरा है। सांसद अतुल गर्ग ने उनके जीवन को त्याग, सेवा और राष्ट्रहित की प्रेरणा बताया। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र के साथ अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय का जीवन भाजपा की कार्यसंस्कृति का आधार है। उन्होंने संगठन को और मजबूत करने तथा उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प जताया।

इस अवसर पर महानगर महामंत्री राजेश त्यागी, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, पूर्व अध्यक्ष विजय मोहन, गोपाल अग्रवाल, सुशील गौतम, पप्पू पहलवान, रनीता सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, विद्यार्थी और बुद्धिजीवी उपस्थित रहे। इसी क्रम में प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य ने जनकपुरी मार्केट में जीएसटी अभियान के तहत बाजार संपर्क किया और व्यापारियों से संवाद किया।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।